नवसर्जन संस्कृति

RNI No.: UPHIN/25/A1698
NAVSARJAN SANSKRUTI

नवसर्जन संस्कृति

लखनऊ से प्रकाशित दैनिक

वर्ष : 02
अंक : 001
दि. 01.05.2026,
शुक्रवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा

'पांडेय जी, इस उम्र में तो सच्चाई स्वीकार कीजिए'; मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने नेता प्रतिपक्ष पर ऐसे साधा निशाना

यूपी विधानसभा में सीएम योगी आदित्यनाथ ने नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडेय पर जोरदार निशाना साधा। महिला आरक्षण के मुद्दे पर घेरा।

(जीएनएस)।

लखनऊः उत्तर प्रदेश विधानमंडल के नारी शक्ति वंदन अधिनियम को लेकर बुलाए गए विशेष सत्र के दौरान सीएम योगी आदित्यनाथ ने समाजवादी पार्टी और कांग्रेस पर तीखा हमला बोला। महिला आरक्षण के मुद्दे पर विपक्षी दलों पर दोहरा रवैया अपनाने का आरोप लगाते हुए उन्हें घेरा। सीएम योगी ने कहा कि संसद में विरोध और सदन में समर्थन का दिखावा कर विपक्ष जनता को गुमराह कर रहा है। सीएम योगी ने तंज कसते हुए कहा कि सपाइयों को देख गिरगिट भी शरमा जाए। सीएम योगी के निशाने पर सीधे तौर पर नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडेय आए।

सीएम योगी आदित्यनाथ ने विपक्षी दलों के रवैये पर हमलावर रुख अपनाते हुए कहा कि 16 और 17 अप्रैल को लोकसभा में विपक्ष का रवैया महिला विरोधी था। यह सदन भी उसके व्यवहार का गवाह है। सीएम योगी ने नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडेय पर सीधा निशाना साधते हुए कहा, पांडेयजी, इस उम्र में तो सच्चाई स्वीकार कीजिए। आप जैसा वरिष्ठ व्यक्ति इस प्रकार की बात करता है, आप केवल अनुभव से ही वरिष्ठ नहीं हैं। संसदीय परंपराओं से भी वरिष्ठ हैं। आपको सच्चाई स्वीकार करनी चाहिए।

विपक्ष पर बोला करारा हमला

सीएम योगी ने सपा पर तंज कसते हुए कहा कि जब 2017 में प्रदेश में डबल इंजन सरकार आई, तब डेढ़ साल के भीतर 2 करोड़ से अधिक शौचालय बनाए गए। विपक्ष ने इस पर सवाल उठाए थे। उन्होंने कहा कि अब

वही दल महिला आरक्षण के पक्ष में खड़े होने का दावा कर रहे हैं जबकि संसद में उसका विरोध किया गया। यूपी विधानसभा में महिला आरक्षण की समर्थन की बात करना उनके रंग बदलने को प्रदर्शित करता है।

पूजा पाल का जिक्र

सीएम योगी ने सपा विधायक पूजा पाल का जिक्र करते हुए कहा कि आप अपनी साथी के आंसू तक नहीं पोंछ पाए। उन्होंने आरोप लगाया कि सपा का महिलाओं के प्रति रवैया संवेदनशील नहीं रहा है। उन्होंने कहा कि सपाइयों के आचरण पर गिरगिट भी शरमा जाए। कांग्रेस पर निशाना साधते हुए योगी ने कहा कि पहले एलपीजी सिलेंडर के लिए महिलाओं को संघर्ष करना पड़ता था। केंद्र सरकार ने अब 10 करोड़ से अधिक महिलाओं को मुफ्त गैस कनेक्शन उपलब्ध कराए हैं।

विपक्ष पर गंभीर आरोप

सीएम योगी ने जनधन खातों, शौचालय निर्माण और महिला सशक्तिकरण योजनाओं को सरकार की प्रमुख उपलब्धियां बताया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने संसद में महिला आरक्षण विधेयक को लेकर विपक्ष के रुख की निंदा करते हुए प्रस्ताव भी पेश किया। उन्होंने कहा कि अगर सपा वास्तव में 33 प्रतिशत आरक्षण के पक्ष में है, तो उसे संसद में अपने आचरण की निंदा करनी चाहिए। सीएम ने शाहबानो प्रकरण से लेकर अब तक के इतिहास का जिक्र करते हुए कहा कि विपक्ष हमेशा महिलाओं के आरक्षण के मार्ग में बाधक रहा है।

बरगी डैम में 30 पर्यटक सवार क्रूज डूबा-4 शव बरामद, कई लापता

24 घंटे में 2 बड़े हादसे

(जीएनएस)।

मध्य प्रदेश के जबलपुर में गुरुवार (30 अप्रैल) शाम एक दिल दहला देने वाला हादसा हो गया। बरगी डैम के खमरिया टापू के पास पर्यटकों से भरा क्रूज अचानक तेज तूफान में संतुलन खो बैठा और डूब गया। क्रूज में 30 से ज्यादा पर्यटक सवार थे। हादसे के बाद 15 लोग तैरकर किनारे पहुंच गए, लेकिन अब तक 4 शव बरामद हो चुके हैं और कई लोग लापता बताए जा रहे हैं। एसडीआरएफ की टीम रेस्क्यू ऑपरेशन चला रही है, जबकि गोताखोरों की मदद से लापता पर्यटकों की तलाश जारी है।

यह त्रासदी ठीक उस वक्त हुई जब बरगी डैम पर्यटकों से गुलजार था। नर्मदा नदी पर बने इस विशाल जलाशय को मध्य प्रदेश का प्रमुख टूरिस्ट स्पॉट माना जाता है। यहां स्पीड बोट, हाउसबोट और क्रूज की सैर रोज सैकड़ों पर्यटक करते हैं। लेकिन गुरुवार शाम अचानक आए तेज हवा-तूफान ने सब कुछ बदल दिया। स्थानीय लोगों के मुताबिक, क्रूज खमरिया टापू के पास पहुंचा ही था कि तेज लहरों और हवा ने उसे हिला दिया। क्षणभर में नाव पलट गई और पानी में समा गई।

पर्यटन का हब, लेकिन सुरक्षा की बड़ी खामी

बरगी डैम नर्मदा नदी पर बने भारत के सबसे बड़े बांधों में से एक है। 1980 के दशक में शुरू और

1990 के दशक में पूरा हुआ यह बांध सिंचाई, बिजली उत्पादन और अब पर्यटन का बड़ा केंद्र बन चुका है। जबलपुर से महज 40 किलोमीटर दूर स्थित इस जगह पर पर्यटक न सिर्फ बोटिंग करते हैं, बल्कि पिकनिक मनाते हैं, बर्ड वॉचिंग करते हैं और हाउसबोट पर रात बिताते हैं। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, हर साल लाखों पर्यटक यहां आते हैं।

लेकिन हादसे ने एक बार फिर सवाल खड़े कर दिए हैं कि क्या पर्यटक नावों पर सुरक्षा मानकों का पालन हो रहा है? क्या मौसम की चेतावनी समय पर जारी की जाती है? क्या नावों की क्षमता से ज्यादा सवारियां चढ़ाई जा रही हैं? आपको बता दें कि बरगी जैसे बड़े जलाशयों में अचानक तूफान और तेज हवा आम है, खासकर अप्रैल-मई में जब गर्मी बढ़ती है। कई बार नाव संचालक चेतावनी को नजरअंदाज कर देते हैं।

एसडीआरएफ, पुलिस और लोकल एडमिनिस्ट्रेशन की टीम मौके पर पहुंच गई है। जिला प्रशासन ने हेल्पलाइन नंबर जारी कर परिवारों से संपर्क करने की अपील की है। अभी तक 4 शव निकाले गए हैं, जबकि कई लोगों के लापता होने की पुष्टि हुई है। घायलों को जबलपुर के अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। मुख्यमंत्री मोहन यादव ने हादसे पर दुख जताते हुए तुरंत रिपोर्ट मांगी है और पूरे मामले की जांच के आदेश दिए हैं।

जबलपुर के क्रूज हादसे से पहले ही मध्य प्रदेश में एक और दर्दनाक घटना ने पूरे राज्य को झकझोर दिया था। बुधवार (29 अप्रैल) रात इंदौर-अहमदाबाद नेशनल हाईवे पर धार जिले के चिकलीया क्रॉसिंग के पास मजदूरों से भरी पिक-अप वैन अनियंत्रित होकर पलट गई और विपरीत दिशा से आ रही रवश से टकरा गई। शुरूआत में 12 मौतों की खबर थी, लेकिन गुरुवार यानी 30 अप्रैल की सुबह तक मौत का आंकड़ा 16 हो गया। ज्यादातर मृतक महिलाएं और बच्चे थे।

क्यों हो रहे हैं ऐसे हादसे? MP में सुरक्षा की चिंताजनक तस्वीर

मध्य प्रदेश में कुछ ही घंटों के अंतराल पर दो बड़े हादसे ने राज्य की पर्यटन और सड़क सुरक्षा व्यवस्था पर सवालिया निशान लगा दिए हैं। बरगी डैम का क्रूज हादसा पर्यटन क्षेत्र की लापरवाही को उजागर करता है, जबकि धार का सड़क हादसा ओवरलोडिंग और हाईवे पर बुनियादी सुविधाओं की कमी को।

हादसों को दावत दे रहीं ये खामियां?

भारत में हर साल सड़क हादसों में हजारों मौतें होती हैं। मध्य प्रदेश भी इस लिस्ट में पीछे नहीं है। आंकड़ों के मुताबिक, यहां पिक-अप वैन जैसी गाड़ियों में मजदूरों को लादकर ले जाने की प्रथा आम है। छोटी-छोटी गाड़ियां 40-50 लोगों को ठूंसकर चलाई जाती हैं। मौसम की अनदेखी, ड्राइवर की थकान और खराब सड़कें हादसों को न्योता देती हैं।

बरगी डैम की बात करें तो यहां पर्यटन बढ़ा है, लेकिन नावों के रजिस्ट्रेशन, क्षमता चेक और मौसम अलर्ट सिस्टम पर सख्ती की जरूरत है। नर्मदा घाटी में अचानक मौसम बदलना आम बात है। कई बार

'लंबी जंग के लिए तैयार था भारत', राजनाथ ने बताया क्यों रोका ऑपरेशन सिंदूर? पाक को मिला करारा जवाब

(जीएनएस)।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने 'ऑपरेशन सिंदूर' को लेकर पाकिस्तान को अब तक का सबसे कड़ा संदेश दिया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि भारत ने इस सैन्य अभियान को किसी दबाव या मजबूरी में नहीं, बल्कि अपनी शर्तों और अपनी मर्जी से रोका था। 'अठक नेशनल सिक्योरिटी समिट 2.0' में बोलते हुए उन्होंने पाकिस्तान को दुनिया में 'आतंकवाद का केंद्र' करार दिया। आइए जानते हैं सिंह ने क्या कहा और पाकिस्तान की किस धमकी को भारत ने मिट्टी में मिला दिया।

रक्षा मंत्री ने बड़ा खुलासा करते हुए बताया कि 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान भारत को परमाणु हमले की धमकी दी गई थी, लेकिन भारत इस खोखली धमकी में नहीं आया। उन्होंने दोटूक शब्दों में कहा कि हमने यह ऑपरेशन इसलिए नहीं रोका था कि हमारी सैन्य क्षमता कम हो गई थी, बल्कि हम लंबी लड़ाई के लिए पूरी तरह तैयार थे। भारत ने सटीक निशाना लगाकर केवल उन्हें ध्वस्त किया जिन्होंने हम पर हमला किया था।

अचानक युद्ध की स्थिति के

लिए कितना तैयार है भारत?

अपनी सैन्य ताकत पर भरोसा जताते हुए राजनाथ सिंह ने कहा कि भारत की 'सर्ज कैपेसिटी' यानी अचानक जरूरत पड़ने पर अपनी क्षमताओं का विस्तार करने की शक्ति पहले से कहीं अधिक सुदृढ़ हो चुकी है। उन्होंने स्पष्ट किया कि हमारा मिलिट्री इंडस्ट्रियल कॉम्प्लेक्स न केवल शांति काल के लिए है, बल्कि युद्ध के दौरान तेजी से सप्लाई सुनिश्चित करने के लिए भी पूरी तरह तैयार है।

भारत ने आतंक के खिलाफ दुनिया को दिया संदेश

आतंकवाद की जड़ों पर प्रहार करते हुए रक्षा मंत्री ने प्रधानमंत्री मोदी की 'जीरो टॉलरेंस' नीति की तारीफ की। उन्होंने आतंकवाद की तुलना रावण से करते हुए कहा कि इसका वैचारिक और राजनीतिक संरक्षण रावण की नाभि में छिपे अमृत की तरह है, जिसे सुखाना अनिवार्य है। उन्होंने कहा कि 'ऑपरेशन सिंदूर' एक ऐसा टर्निंग पॉइंट था जिसने दुनिया को बता दिया कि भारत अब आतंकी हमलों पर केवल राजनयिक बयान जारी करने वाला देश नहीं रहा।

प्रधानमंत्री मोदी ने दिल्ली में मिशन प्रमुखों के सम्मेलन में भाग लिया

नयी दिल्ली, 30 अप्रैल (भाषा) प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को यहां मिशन प्रमुखों के सम्मेलन में भाग लिया जहां व्यापार, प्रौद्योगिकी और रणनीतिक साझेदारियों को आगे बढ़ाकर भारत की वैश्विक भागीदारी को मजबूत करने पर व्यापक चर्चा हुई। सम्मेलन में विश्वभर के प्रवासी भारतीयों के साथ संबंध मजबूत करने पर भी चर्चा हुई। मोदी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, 'नयी दिल्ली में आयोजित मिशन प्रमुखों के सम्मेलन में भाग लिया। हमने व्यापार, प्रौद्योगिकी और रणनीतिक साझेदारियों को बढ़ावा देकर भारत की वैश्विक भागीदारी को मजबूत करने और

यूपी 2027 चुनाव में सीएम योगी नहीं होंगे भाजपा का चेहरा! अखिलेश यादव के दावे ने मचाई खलबली

सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने इस संबंध में एक पोस्ट भी की है, जिसमें मुख्यमंत्री पर सीधा हमला बोला है. इसमें उन्होंने बीजेपी सरकार के सत्ता से जाने का दावा भी किया है.

(जीएनएस)।

उत्तर प्रदेश की सियासत में समाजवादी पार्टी और भारतीय जनता पार्टी में परस्पर तीखी टीका-टिप्पणीय तेज हो गई हैं. मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा सपा की पूर्व सरकारों और नेताओं पर हमले के बाद अब सपा मुखिया अखिलेश यादव ने भी सीधा हमला करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री वर्तमान को क्यों भूल जाते हैं और आने वाले कल की बात क्यों नहीं करते. यही नहीं उन्होंने अगले चुनाव में उनके सीएम चेहरा होने पर भी सवाल खड़ा कर दिया है.

सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने इस संबंध में एक पोस्ट भी की है, जिसमें मुख्यमंत्री पर सीधा हमला बोला है. इसमें उन्होंने बीजेपी सरकार

के सत्ता से जाने का दावा भी किया है.

अखिलेश यादव ने पोस्ट में लिखा, "मुख्यमंत्री जी वर्तमान को क्यों भूल जाते हैं और आनेवाले कल की बात क्यों नहीं करना चाहते हैं. सुनने में तो ये आया है कि आप ही चेहरा होंगे फिर आनेवाले कल पर बात करने से क्यों कतराते हैं. कहीं आप भाजपाइयों की दस साल पुरानी उस बात को याद करके तो नहीं घबराते हैं कि भाजपावाले जिसे चेहरा बनाते हैं, उसको पिछले दरवाजे का रास्ता दिखाते हैं."

उन्होंने आगे कहा, "सच तो ये है कि आप भी जानते हैं कि ऐसे या वैसे या फिर कैसे भी न तो आप, न आपके दल के लोग सत्ता में वापस आ रहे हैं, इसीलिए आप भविष्य से मुँह चुरा रहे हैं और भाषा-विचार की मयार्दाओं से बाहर जा रहे हैं. ये जिव्हा का विचलन ही बता रहा है, आपका दौर जा रहा है. हम सदैव सभ्य-सुसंस्कृत रहेंगे और आपकी ससम्मान विदाई करेंगे!"

मुख्यमंत्री आदित्यनाथ ने बेमौसम बारिश और ओलावृष्टि से प्रभावित किसानों को दी राहत

लखनऊ, 30 अप्रैल (भाषा) उत्तर प्रदेश सरकार ने तूफान, आग, ओलावृष्टि और अत्यधिक वर्षा सहित हाल की प्रतिकूल मौसम स्थितियों से प्रभावित किसानों को मुआवजा देने की प्रक्रिया तेज कर दी है। एक बयान के मुताबिक उत्तर प्रदेश में बेमौसम बारिश और ओलावृष्टि से काफी किसानों को नुकसान पहुंचा है।

बुधवार से ही उत्तर प्रदेश के कई इलाकों में रुक-रुककर बारिश हो रही है, इससे किसानों की फसलों के साथ अन्य को भी नुकसान पहुंचा है। बयान में कहा गया कि उन्हें राहत पहुंचाने के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पीड़ितों को मुआवजा दिलाने का निर्देश दिया है।

उप्र में हो रही असमय बारिश और ओलावृष्टि को लेकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने स्पष्ट निर्देश दिया है। बयान के मुताबिक जनहानि, पशुहानि, घायलों और आपदा से प्रभावितों लोगों और किसानों को मुआवजा दिलाने का अधिकारियों को निर्देश दिया गया है। उन्होंने स्पष्ट किया है कि मुआवजा दिलाने के मामले में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

लखनऊ एयरपोर्ट के रनवे पर अचानक आया बंदर, पायलट ने लगाया इमरजेंसी ब्रेक

132 यात्रियों की जान बची

लखनऊ एयरपोर्ट पर उड़ान भरने से पहले रनवे पर बंदर आने से इंडिगो फ्लाइट के पायलट को इमरजेंसी ब्रेक लगाना पड़ा. पायलट की सूझबूझ से बड़ा हादसा टल गया.

(जीएनएस)।

लखनऊ एयरपोर्ट पर गुरुवार को एक हादसा उस वक्त होते-होते टल गया, जब रनवे पर अचानक एक बंदर आ गया. इस दौरान इंडिगो फ्लाइट के पायलट ने सूझबूझ दिखाते हुए इमरजेंसी ब्रेक लगाया, जिससे विमान में सवार 132 यात्रा बच गए. घटना से एयरपोर्ट पर हड़कंप मच गया. करीब सवा घंटे बाद प्रोटोकॉल और जांच के बाद इंडिगो फ्लाइट ने उड़ान भरी. पायलट के समय पर ब्रेक न लगाने से बड़ा हादसा हो सकता था.

यह घटना गुरुवार सुबह करीब 8:55 की बताई जा रही है, जब लखनऊ के चौधरी चरण सिंह अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर इंडिगो का विमान (6ए-6521) उड़ाने भरने के लिए रनवे पर दौड़ लगा रहा था, तभी सामने से उछल-कूद करता हुआ एक बंदर आ गया. यह देख पायलट ने तुरंत इमरजेंसी ब्रेक लगा दिए, जिससे एक बड़ा हादसा होते टल गया और

135 यात्रियों को क्रू मेंबर्स की जान बच गई. जानकारी के अनुसार, फ्लाइट (6ए-6521) 135 यात्रियों को रायपुर के लिए उड़ान भरने वाली थी.

लखनऊ में रनवे पर आया बंदर

सभी जरूरी जांच और बंदर को भगाने के बाद फ्लाइट ने 10;05 बजे रायपुर के लिए उड़ान भरी. बता दें कि अचानक ब्रेक लगने से फ्लाइट में सवार यात्री और क्रू मेंबर काफी घबरा गए थे. एयरपोर्ट पर भी हड़कंप मच गया था. सुरक्षा में तैनात 'फॉलो मी वाहन के कर्मचारियों ने तुरंत रनवे से भगाया.

हालांकि, करीब एक घंटे तक बंदर रनवे और उसके आसपास उछल कूद करता रहा. घटना की जांच के लिए नागरिक उड्डयन विभाग ने आदेश दिए हैं.

ऐसे टला विमान हादसा

पायलट अगर समय रहते सूझबूझ नहीं दिखाता तो बड़ा हादसा हो सकता था. यात्रियों सहित क्रू मेंबर की जान खतरे में पड़ सकती थी. फिलहाल, इस पूरे मामले किस की लापरवाही रही और बंदर कैसे रनवे तक पहुंचा इन बातों की जांच शुरू कर दी गई है. करीब सवा घंटे की देर से सभी यात्री अपने गंतव्य तक पहुंचे.

मायावती के लिए विधानसभा में सपा वालों से भिड़ गए सीएम योगी, गेस्ट हाउस कांड का जिक्र कर खूब सुनाया

(जीएनएस)।

उत्तर प्रदेश विधानसभा में महिला सशक्तिकरण पर आयोजित विशेष सत्र के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का आक्रामक रूप देखने को मिला. महिला आरक्षण बिल के मुद्दे पर विपक्ष को घेरते हुए सीएम योगी ने साल 1995 की घटना का जिक्र करते हुए प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती के साथ हुए कांड की भी चर्चा छेड़ी. उन्होंने समाजवादी पार्टी पर सीधा हमला बोलते हुए कहा कि जिस दल का इतिहास महिलाओं के अपमान से भरा हो उसे नारी गरिमा पर बात करने का कोई नैतिक अधिकार नहीं है.

स्टेट गेस्ट हाउस कांड का किया जिक्र

सदन को संबोधित करते हुए

सीएम योगी ने कहा कि 'जब भी समाजवादी पार्टी की बात होती है तो 1995 की वह घटना अपने आप ही याद आ जाती है जब प्रदेश की पहली दलित मुख्यमंत्री मायावती के साथ स्टेट गेस्ट हाउस में दुर्व्यवहार हुआ था. उन्होंने सपा नेताओं के पुराने बयानों और उनके आचरण पर तंज कसते हुए पूछा कि आखिर वह किस प्रकार की नारी गरिमा की बात करते हैं?

बीजेपी ने निभाया था धर्म

इस दौरान सीएम योगी ने आगे कहा कि उस समय भारतीय जनता पार्टी ने ही यह स्टैंड लिया था कि एक दलित की बेटी को सम्मान मिलना चाहिए. उन्होंने कहा कि सपा की 'राक्षसी वृत्ति' पर लगाम लगाने के लिए उस समय बीजेपी का समर्थन आवश्यक था. उन्होंने कहा कि 'स्वर्गीय ब्रह्मदत्त द्विवेदी जी अपनी जान पर खेल के समाजवादी पार्टी के गुंडों से भिड़े थे स्टेट गेस्ट हाउस में. तब जाकर के तब जाकर के सुश्री मायावती जी सुरक्षित हो पाई थी. '

यूपी विधानसभा में महिला आरक्षण पर घमासान, सीएम योगी का सपा पर हमला, अखिलेश का पलटवार

उत्तर प्रदेश विधानसभा के विशेष सत्र में महिला आरक्षण पर जमकर सियासी टकराव देखने को मिला। पहले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सपा पर हमला बोला, जिसके बाद अखिलेश यादव ने पलटवार किया।

(जीएनएस)।

लखनऊः उत्तर प्रदेश विधानसभा में महिला आरक्षण के मुद्दे पर गुरुवार को बुलाए गए विशेष सत्र के दौरान जमकर सियासी घमासान देखने को मिला। सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों ने एक-दूसरे पर तीखे आरोप लगाए और विधानसभा परिसर में जोरदार नारेबाजी हुई। सत्र से पहले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने समाजवादी पार्टी पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस महिलाओं के 'श्राप' से उत्तर प्रदेश से खत्म हो गई और समाजवादी पार्टी भी उसी राह पर चल रही है, इसलिए उसका भी सफाया तय है।

CM योगी ने सपा को 'जन्मजात महिला विरोधी' कहा

सीएम योगी ने समाजवादी पार्टी को 'जन्मजात महिला विरोधी' बताते हुए कहा कि उसके शासनकाल में महिलाओं पर अत्याचार बढ़े थे। उन्होंने पुराने नारे का जिक्र करते हुए कहा कि एक जमाने में 'देख सपाई, बिटिया घबराई' नारा प्रचलित था। विधानसभा परिसर में भारतीय जनता पार्टी की महिला विधायक बैनर और पोस्टर लेकर पहुंचीं। इन पोस्टरों में महिला आरक्षण के समर्थन और कांग्रेस व समाजवादी पार्टी के विरोध में नारे लिखे थे। बीजेपी के कई पुरुष विधायक भी उनके समर्थन में पोस्टर लेकर पहुंचे। इस दौरान परिसर में लगातार नारेबाजी होती रही।

महिला आरक्षण के समर्थन में

सपा विधायक भी पहुंचे

दिलचस्प बात यह रही कि समाजवादी पार्टी के विधायक भी महिला आरक्षण के समर्थन में पोस्टर-बैनर लेकर पहुंचे, लेकिन उन्होंने बीजेपी को महिला विरोधी बताया। दोनों दल एक तरफ महिला आरक्षण के समर्थन में नारे लगा रहे थे, तो दूसरी तरफ एक-दूसरे पर महिला विरोधी होने का आरोप भी लगा रहे थे। समाजवादी पार्टी के विधायकों ने 33 प्रतिशत महिला आरक्षण की मांग को लेकर विधानसभा के बाहर प्रदर्शन किया। वे विधानभवन के सामने स्थित चौधरी चरण सिंह की प्रतिमा के पास जुटे और नारेबाजी की। उनका कहना था कि आरक्षण उसी तरीके से लागू किया जाए, जैसा संसद ने 2023 में पारित विधेयक में तय किया है।

'बीजेपी को महिलाओं के मुद्दे पर बोलने का हक नहीं'

सपा विधायकों ने आरोप लगाया कि बीजेपी महिला आरक्षण के नाम पर जनता को गुमराह कर रही है और इस बिल के जरिए लोकसभा सीटों का मनमुताबिक परिसीमन करना चाहती है। उनका कहना था कि राममनोहर लोहिया और मुलायम सिंह यादव हमेशा महिलाओं के अधिकारों के पक्षधर रहे हैं। मुख्यमंत्री योगी के बयान पर जवाब देते हुए समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने पलटवार किया। उन्होंने कहा कि प्रदेश में बीजेपी नेताओं से जुड़े कई मामले सामने आ रहे हैं, ऐसे में बीजेपी को महिलाओं के मुद्दे पर बोलने का कोई अधिकार नहीं है।

एलडीए ने 29.91 करोड़ रुपये में खरीद ली जियामऊ की जमीन, अब यहां क्या बनेगा?

शासन ने जियामऊ की जमीन एलडीए को हस्तांतरित करने की मंजूरी दे दी है, जिससे लखनऊ में भाजपा मुख्यालय बनने का रास्ता साफ हो गया है।

लखनऊ। जियामऊ की जमीन एलडीए को दिए जाने पर पर शासन ने मुहर लगा दी है। अब भाजपा मुख्यालय बनाए जाने का रास्ता और भी साफ हो गया है। पंद्रह अप्रैल को नगर निगम सदन की बैठक में जियामऊ में गाटा संख्या 196 की 5429.96 वर्ग मीटर जमीन का को एलडीए को दिए जाने पर निर्णय किया गया था। उसके बाद शासन को कार्यवाही के लिए भेजा गया था।

नगर विकास विभाग के विशेष सचिव महेंद्र प्रताप सिंह ने नगर आयुक्त को भेजे पत्र में यह जानकारी

दी है। जमीन के लिए एलडीए को नगर निगम को 29.91 करोड़ की रकम देनी होगी।

दरअसल नगर निगम सदन की बैठक में पंडित दीनदयाल उपाध्याय सेवा न्यास को दी गई भूमि वापस लिए का प्रस्ताव लेने पर सहमति बनाई गई थी। यह जमीन 22 सितंबर 2020 को 90 साल की लीज पर पंडित दीनदयाल उपाध्याय सेवा न्यास को लीज पर दी गई थी।

न्यास के सदस्य कृष्ण कुमार दीक्षित ने सात अप्रैल 2026 को महापौर को पत्र लिखकर कहा था कि पारिस्थितिजन्य विवशताओं व अथार्भाव में जमीन पर निर्माण कराने में असमर्थ है और जमीन नगर निगम वापस ले ले।

उधर, एलडीए उपाध्यक्ष प्रथमेश कुमार ने नियोजित विकास के लिए इस जमीन को नगर निगम से मांगा था और सदन की बैठक में जमीन देने पर सहमति बन गई थी, जिसका शुल्क एलडीए को 29.91 करोड़ देगा। ऐसा होने से अब नियमों का पालन करते हुए जमीन को भाजपा खरीद सकती है, जहां भाजपा का नया मुख्यालय बन सकेगा।

लखनऊ में आंधी बनी आफत, पेड़ गिरने से दबे कैंसर अस्पताल के दो कर्मी, मौत; मदद के लिए चिल्लाते रहे

लखनऊ में तेज आंधी के दौरान पेड़ गिरने से दो अस्पताल कर्मियों की मौत हो गई। दोनों बाइक से ड्यूटी जा रहे थे और पेड़ के नीचे दब गए। काफी देर बाद उन्हें निकाला गया, लेकिन अस्पताल में मृत घोषित कर दिया गया। हादसे से इलाके में अफरा-तफरी और यातायात प्रभावित रहा।

लखनऊ के कैंट में बृहस्पतिवार सुबह तेज आंधी चलने पर बाइक सवार दो अस्पताल कर्मियों पर सेमर का पेड़ गिर पड़ा। हादसे में घायल दोनों लोगों की मौत हो गई। बस्ती के दुबरा बोधी गांव निवासी रवि शंकर पांडे (28) कल्याण सिंह कैंसर हॉस्पिटल में रेडियो थैरेपिस्ट थे। वह

बलरामपुर अस्पताल में बने परिसर में मऊ के बस स्टैंड घोसी के रहने वाले साथी रेडियो थेरेपिस्ट बालकिशन (27) के साथ रहते थे।

रवि के पिता शिवनारायण पांडे ने बताया कि बृहस्पतिवार सुबह दोनों एक बाइक से ड्यूटी जा रहे थे। तभी दिलकुशा गार्डन परिसर में लगा सेमर का पेड़ अचानक आंधी के कारण उन पर गिर पड़ा। दोनों उसके नीचे दब गए और गंभीर रूप से घायल हो गए।

घटना से वहां अफरा-तफरी मच गई। लोगों ने घटना की जानकारी पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस लोगों के सहयोग से पेड़ हटाने में जुट गई। करीब एक घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद किसी तरह से पेड़ हटाया जा सका। पुलिस ने दोनों को सिविल अस्पताल पहुंचाया गया। यहां डॉक्टरों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया।

हादसे के कारण यातायात रहा बाधित

पेड़ गिरने के कारण यातायात बाधित हो गया। पुलिस ने कुछ देर के लिए रूट डायवर्ट किया। थाना प्रभारी कैंट गुरप्रीत कौर ने बताया कि दोनों मृतकों के घरवालों को घटना की जानकारी दी गई है।

लखनऊ के सुशांत गोल्फ सिटी और दुबग्गा में छह अवैध प्लाटिंग पर चला बुलडोजर, एलडीए ने की ध्वस्तीकरण की कार्रवाई

(जीएनएस)।

लखनऊ। एलडीए ने बुधवार को दुबग्गा व सुशांत गोल्फ सिटी क्षेत्र में अवैध प्लाटिंग पर बुलडोजर चलाया। इस दौरान 82 बीघा क्षेत्रफल में की जा रही छह अवैध प्लाटिंग को ध्वस्त किया गया। एलडीए उपाध्यक्ष प्रथमेश कुमार के निर्देश पर यह कार्रवाई प्रवर्तन जोन-दो व जोन-सात की टीम ने की।

प्रवर्तन जोन-दो के जोनल अधिकारी रवि नंदन सिंह ने बताया कि ऋषि अरोरा व अन्य द्वारा सुशांत गोल्फ सिटी के सेक्टर-एच में रेलवे

लाइन के पास लगभग 5,000 वर्गमीटर क्षेत्रफल में सार्वजनिक सुविधाओं की जगह पर बाउंड्रीवाल निर्मित करते हुए अवैध प्लाटिंग की जा रही थी।

विहित न्यायालय ने इसे ध्वस्त करने का आदेश दिया था। इसके अनुपालन में प्रवर्तन टीम द्वारा स्थल पर अभियान चलाकर अवैध विकास कार्यों को ध्वस्त कर दिया गया। प्रवर्तन जोन-7 के जोनल अधिकारी प्रभाकर सिंह ने बताया, दुबग्गा थानाक्षेत्र के ग्राम-जेहटा में अभियान चलाया गया। इस दौरान मोहम्मद शाहिद, आशीष यादव, ओमकार, दिलीप मिश्रा व अन्य द्वारा लगभग 80 बीघा क्षेत्रफल में की जा रही पांच अवैध प्लाटिंग को ध्वस्त किया गया।

लखनऊ में मुरादाबाद के कराटे खिलाड़ियों ने जीते पदक, राघव को स्वर्ण

(जीएनएस)।

मुरादाबाद। लखनऊ के चौक स्टेडियम में आयोजित राज्य स्तरीय कराटे प्रतियोगिता में मुरादाबाद के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया। कराटे एसोसिएशन ऑफ उत्तर प्रदेश की ओर से आयोजित इस प्रतियोगिता में मुरादाबाद के नौ खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया, जिनमें से खिलाड़ियों ने एक स्वर्ण, तीन रजत और एक कांस्य पदक हासिल किया।

प्रतियोगिता में राघव गुलाटी ने 11 वर्ष आयु वर्ग में 45 किलो से अधिक भार वर्ग में स्वर्ण पदक जीतकर सबसे बेहतर प्रदर्शन किया। वहीं कर्मिष्ठा ज्ञानी (8 वर्ष, 25 किलो से कम) और काव्या पाल (12 वर्ष, 35 किलो से कम) ने रजत पदक अपने नाम किए। आद्या कुमार पांडे (13 वर्ष, 60 किलो से कम) ने भी रजत पदक हासिल किया।

अर्णव कुमार पथिक (12 वर्ष, 45 किलो से कम) ने कांस्य पदक जीतकर टीम की उपलब्धि में योगदान दिया। अन्य खिलाड़ियों में वाणी पांडे, शौर्य पाल, लविश नागर और रोज खान ने भी प्रतियोगिता में भाग लेकर अच्छा प्रदर्शन किया, हालांकि वह पदक नहीं जीत सके। मुरादाबाद लौटने पर उत्तर प्रदेश ओलंपिक संघ के संयुक्त सचिव डॉ. अजय पाठक ने सभी खिलाड़ियों को पदक और प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया। टीम के साथ कोच और मैनेजर के रूप में आशय वर्मा और अमन कुमार मौजूद रहे।

जंग के बीच ईरान में फंसे सिख, कोई नहीं कर रहा मदद!

शिया देश में कितने सिख परिवार?

ईरान इन दिनों इस सदी की सबसे भयानक जंग का थिएटर बना हुआ है। 28 फरवरी से शुरू हुई इस जंग में ईरान के हजारों लोग अब तक मारे जा चुके हैं और कई देशों के लोग भी ईरान के अलग-अलग इलाकों में फंसे हुए हैं। इनमें एक बड़ी संख्या सिख समुदाय की भी है। जिनको लेकर अब चिंताएं बढ़ने लगी हैं। इसी बीच बीजेपी के नेता जयवीर शेरगिल ने गुरुवार को विदेश मंत्रालय से अपील की कि तेहरान के एक गुरुद्वारे में फंसे कई बुजुर्ग ईरानी सिखों को तुरंत मदद देने की अपील की है। ऐसे में जानना जरूरी हो जाता है कि ईरान में कितने सिख हैं और वहां किस हाल में रहते हैं। साथ ही ईरान में सिखों का क्या इतिहास है।

फ्लाइट में नहीं मिल रही बोर्डिंग

जयवीर शेरगिल ने बताया कि 5 मई को तेहरान से भारत आने के लिए महान एयर की एक फ्लाइट निर्धारित है। लेकिन एयरलाइन इन बुजुर्ग सिख परिवारों को भारत सरकार की स्पेशल परमीशन के बिना यात्रा करने की इजाजत नहीं दे रही है। इसी वजह से

ये लोग अब भी फंसे हुए हैं। लिहाजा जयवीर शेरगिल ने विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर मामले में दखल देने की बात कही है।

सोशल मीडिया साइट पर शेरगिल ने लिखा- "विदेश मंत्रालय तेहरान में फंसे सिख परिवारों की मदद करे। उन्होंने कहा कि महान एयरलाइंस 5 मई को भारत के लिए उड़ान भरने वाली है, लेकिन एयरलाइन भारत सरकार की अनुमति के बिना बोर्डिंग से मना कर रही है।"

इसके साथ ही उन्होंने जयशंकर से इन परिवारों की मदद करने का आग्रह किया।

हम भारतीय लोगों के संपर्क में- MEA

इसी बीच विदेश मंत्रालय (MEA) ने कहा है कि खाड़ी और पश्चिम एशिया में बन रही स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है। भारतीय मिशन लगातार लोगों के संपर्क में हैं और स्थानीय प्रशासन के साथ मिलकर काम कर रहे हैं। हमारी हेल्पलाइन चौबीसों घंटे काम कर रही हैं। भारतीय मिशन वहां मौजूद भारतीय फेडरेशन, प्रोफेशनल ग्रुप्स, कंपनियों और अन्य लोगों के साथ भी लगातार संपर्क में हैं। इसका मकसद यह सुनिश्चित करना है कि हर भारतीय तक सही समय पर जानकारी और सहायता पहुंच सके।

मुश्किल हालात के बावजूद यात्रा जारी

ऑपरेशनल चुनौतियों के बावजूद भारत और इस क्षेत्र के बीच यात्रा जारी है। 28 फरवरी से अब तक लगभग 12,96,000 यात्री इस क्षेत्र से भारत की यात्रा कर चुके हैं। यह दिखाता है कि कनेक्टिविटी और ट्रैवल डिमांड अभी भी बनी हुई है।

यूपी में 252 डेंटल हाइजीनिस्ट को मिलेगी सौगात, सीएम योगी जल्द सौंपेंगे नियुक्ति पत्र

(जीएनएस)।

लखनऊ। प्रदेश सरकार चिकित्सा की गुणवत्ता बढ़ाने के लिए आधारभूत ढांचा बनाने के साथ ही डॉक्टरों एवं पैरामेडिकल स्टाफ की नियुक्ति पर विशेष जोर दिया है।

इसी क्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जल्द 252 चयनित डेंटल हाइजीनिस्ट को नियुक्ति पत्र दे सकते हैं। हालांकि एक मई को कार्यक्रम आयोजित करने की चर्चा थी, लेकिन महानिदेशक चिकित्सा स्वास्थ्य ने बताया कि अभी तारीख तय नहीं की गई है। माना जा रहा है कि मई के पहले सप्ताह में कार्यक्रम आयोजित होगा।

डेंटल हाइजीनिस्ट लाइसेंस प्राप्त ओरल हेल्थकेयर पेशेवर होते हैं जो दांतों की सफाई (स्केलिंग और पालिशिंग), मसूड़ों का इलाज एवं एक्सरे लेने के विशेषज्ञ होते हैं। मसूड़ों की बीमारी को रोकने और ओरल हाइजीन के बारे में मरीजों को शिक्षित करने के लिए दंत रोग विशेषज्ञों के साथ मिलकर काम करते हैं।

प्रदेश में मेडिकल कॉलेजों की संख्या बढ़ने एवं स्वास्थ्य केंद्रों को अपग्रेड करने के साथ ही इनकी उपयोगिता बढ़ी है। नियुक्ति पत्र वितरण कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक एवं राज्यमंत्री चिकित्सा शिक्षा, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य परिवार कल्याण मयंकेश्वर शरण सिंह भी उपस्थित रहेंगे।

इससे पहले 22 मार्च को लोकभवन में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने 1228 नवनियुक्त नर्सिंग अधिकारियों को नियुक्ति पत्र दिया, जिसमें 1097 महिलाएं थीं।

बेटियों की शादी की चिंता खत्म! योगी सरकार ने 1 लाख से अधिक ओबीसी बेटियों के खातों में भेजे 232 करोड़ रुपये

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में चल रही योजनाएं समाज के कमजोर वर्गों के लिए राहत का बड़ा आधार बन रही हैं. खासतौर पर अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) की गरीब बेटियों की शादी में आर्थिक मदद देकर सरकार एक अभिभावक की भूमिका निभा रही है.

लखनऊः , (जीएनएस)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में चल रही योजनाएं समाज के कमजोर वर्गों के लिए राहत का बड़ा आधार बन रही हैं. खासतौर पर अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) की गरीब बेटियों की शादी में आर्थिक मदद देकर सरकार एक अभिभावक की भूमिका निभा रही है. शादी अनुदान योजना के तहत सरकार ने वित्तीय वर्ष 2025-26 में 1 लाख से अधिक बेटियों को आर्थिक सहायता दी है. इस योजना में विकलांग, विधवा, आपदा प्रभावित और भूमिहीन आवेदकों को प्राथमिकता दी जाती है.

ओबीसी बेटियों की शादी में सहारा बनी योगी सरकार

दरअसल राज्य सरकार की शादी अनुदान योजना गरीब परिवारों के लिए वरदान साबित हो रही है. आर्थिक तंगी के कारण जहां बेटियों की शादी में कठिनाई आती थी, वहीं अब सरकार सीधे आर्थिक सहायता देकर इस बोझ को कम कर रही है. वित्तीय वर्ष 2025-26 में इस योजना के तहत 1,16,000 से अधिक लाभार्थियों को सहायता दी गई है. इसके लिए 232 करोड़ रुपये खर्च किए गये हैं. यह आंकड़ा दशार्ता है कि योजना बड़े स्तर पर लागू हो रही है और जरूरतमंद परिवारों तक पहुंच रही है.

प्रति शादी 20 हजार रुपये की मदद

योजना के तहत प्रत्येक पात्र परिवार को बेटी की शादी के लिए 20,000 रुपये की आर्थिक सहायता दी जाती है. यह राशि सीधे लाभार्थी के बैंक खाते में भेजी जाती है, जिससे पारदर्शिता सुनिश्चित होती है. इस योजना का लाभ उन्हीं परिवारों को मिलता है जिनकी वार्षिक आय 1 लाख रुपये तक है. साथ ही, लड़की की न्यूनतम उम्र 18 वर्ष और लड़के की उम्र 21 वर्ष होना अनिवार्य है, जिससे बाल विवाह पर भी रोक लगाने में मदद मिलती है.

कमजोर वर्गों को प्राथमिकता

सरकार ने इस योजना में संवेदनशील वर्गों को प्राथमिकता दी है. विकलांग, विधवा, दैवीय आपदा से प्रभावित और भूमिहीन परिवारों को आवेदन में वरीयता दी जाती है. साल 2016-17 से यह योजना पूरी तरह से ऑनलाइन कर दी गई थी. आवेदक निर्धारित पोर्टल पर शादी की तिथि से 90 दिन पहले या 90 दिन बाद तक आवेदन कर सकते हैं. ग्रामीण क्षेत्रों में खंड विकास अधिकारी और शहरी क्षेत्रों में उपजिलाधिकारी द्वारा ऑनलाइन सत्यापन किया जाता है.

पीएफएमएस के जरिए सीधे खाते में भुगतान

योजना के तहत अनुदान राशि पीएफएमएस के माध्यम से सीधे लाभार्थी के बैंक खाते में भेजी जाती है, जिससे बिचौलियों की भूमिका खत्म हो गई है. वहीं लाभार्थियों के चयन के लिए जिला स्तर पर जिलाधिकारी की अध्यक्षता में समिति गठित की गई है. जिसमें मुख्य विकास अधिकारी-उपाध्यक्ष, जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी-सदस्य/सचिव और जनपद के सांसद एवं विधायक अथवा उनके नामित प्रतिनिधि सदस्य के रूप में नामित है. इस तरह जनप्रतिनिधियों की भी भागीदारी सुनिश्चित की गई है. इससे योजना के क्रियान्वयन में पारदर्शिता और जवाबदेही बनी रहती है.

आधार प्रमाणीकरण से मजबूत हुई व्यवस्था

वित्तीय वर्ष 2023-24 से आवेदक और लाभार्थी की पुत्री का आधार प्रमाणीकरण अनिवार्य कर दिया गया है, जिससे फजीर्वाड़े पर रोक लगी है. इससे सही पात्रों को ही लाभ मिल रहा है, जिससे पूर्ण पारदर्शिता सुनिश्चित हुई है. पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग के निदेशक उमेश प्रताप सिंह ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा संचालित शादी अनुदान योजना अन्य पिछड़े वर्ग के जरूरतमंद परिवारों के लिए बड़ी राहत साबित हो रही है. उन्होंने बताया कि इस योजना के तहत पात्र परिवारों को प्रति बेटी की शादी पर 20,000 रुपये की आर्थिक सहायता सीधे बैंक खाते में प्रदान की जाती है.

यूपीः पूरे प्रदेश में विक्षोभ का असर, दस से 12 डिग्री तक गिरा पारा, लखनऊ में देर रात जमकर बारिश; जानें अपडेट

लखनऊ

उत्तर प्रदेश में 29 और 30 अप्रैल को गरज-चमक व तेज हवाओं के साथ हुई आंधी बारिश ने मौसम का मिजाज बदल दिया। कई जिलों में अधिकतम तापमान में 10 से 12 डिग्री सेल्सियस तक की गिरावट दर्ज की गई। अमेठी में तापमान सामान्य से करीब 9.9 डिग्री नीचे पहुंच गया। वहीं, लखनऊ में देर रात अचानक से बारिश होने लगी।

आंधी-बारिश के असर से अयोध्या, वाराणसी, कानपुर, बलिया और गाजीपुर समेत कई जिलों में दिन का तापमान घटकर 30 डिग्री सेल्सियस के आसपास आ गया। इसके विपरीत उरई 43.6 डिग्री के साथ प्रदेश का सबसे गर्म स्थान रहा, जबकि झांसी में 40.5 और आगरा में 39.5 डिग्री सेल्सियस अधिकतम तापमान दर्ज किया गया। अयोध्या में 19.5 डिग्री के साथ सबसे ठंडी रात रही।

आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र, लखनऊ के वरिष्ठ वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह के अनुसार शुक्रवार से बारिश का दायरा सिमटने लगेगा। पूर्वी व तराई क्षेत्रों में कहीं-कहीं हल्की बूंदाबांदी संभव है। शनिवार से तापमान में फिर बढ़ोतरी शुरू होगी। वहीं 4 मई से सक्रिय हो रहे नए पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से कुछ इलाकों में दोबारा हल्की बारिश के आसार बन रहे हैं।

RNI No.: UPHIN/25/A1698 Published & Owned by RAGINI JIGNESHKUMAR VAGHELA and Printed By SUSHILA SHUKLA at Krishna Printiers, 271/31 Chakmaki Dugawa, Rajendranagar, Lucknow-226018, Uttar Pradesh.
and Published from 538 GHA/85 Pataurganj, Near Janki Prasad Dharmshala, Sitapur Road, Niralanagar, Lucknow-226020, Uttar Pradesh. Editor : VINOD KUMARI
Regd.Office : B/13, Sneh Plaza Shopping Center, I.O.C. Road, Chandkheda, Ahmedabad - 382 424 Gujarat,India. Phone : (o) 7698333307 (M) 8485951747,7096333307
Email:navsarjansanskruti2016@gmail.com*navsarjansanskruti2016@yahoo.com*Website : www.navsarjansanskruti.com

सम्पादकीय

किसी हथियारबंद व्यक्ति का राष्ट्रपति ट्रंप के कार्यक्रम के इतने करीब पहुंचना बेहद गंभीर चूक

यह कहना था अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का व्हाइट हाउस कॉरेस्पोंडेंट्स डिनर में एक फायरिंग की घटना के बाद। ट्रंप ने घटना के बाद सीबीएस न्यूज को दिए इंटरव्यू में बताया कि जब फायरिंग हुई तो मैं जमीन पर गिर गया और फर्स्ट लेडी भी। सिक्योरिटी फोर्सेस के तुरन्त एक्टिव होने पर ट्रंप ने कहा कि मैं देखना चाहता था कि आखिर हो क्या रहा है? ट्रंप से पूछा गया कि क्या आपको पता है कि आप शूटर के निशाने पर थे? इसके जवाब में उन्होंने कहा- मुझे नहीं पता।

मैंने एक मैनिपेस्टो पढ़ा। वह रेडिकलाइज्ड है। वह एक ब्रिश्चियन विश्वासी था और फिर वह एंटी ब्रिश्चियन बन गया और उसमें बहुत बदलाव आया। व्हाइट हाउस कॉरेस्पोंडेंट्स डिनर के दौरान हुई फायरिंग में निशाने पर ट्रंप और उनके अधिकारी ही थे। यह बात एक्टिंग यूएस अटानी जनरल टॉड ब्लैंच ने कही। संदिग्ध की पहचान 31 साल के कोल टॉमस एलन के रूप में की गई है। उधर गोलीबारी के मामले में गिरफ्तार संदिग्ध कोल एलन ने कथित घोषणा पत्र में कई गंभीर आरोप लगाए हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार एलन ने घटना से वुछ मिनट पहले अपने परिवार के एक सदस्य को एक कथित घोषणा पत्र भेजा था। जिसमें उसने अपने इरादों और विचारों का जिव्र किया।

इस कथित दस्तावेज में एलन ने दावा किया कि वह अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन से जुड़े लोगों को निशाना बनाने की योजना बना रहा था। हालांकि उसने एफबीआई डायरेक्टर श्री पटेल को छोड़ने की बात भी कही। उसने लिखा कि प्रशासन के अधिकारियों को वह प्राथमिकता के आधार पर तथ्य बनाएगा, लेकिन यह स्पष्ट नहीं है कि उसके शब्दों का पूरा अर्थ क्या है? घोषणा पत्र में एलन ने बेहद गंभीर भाषा का इस्तेमाल करते हुए कहा कि वह ऐसे लोगों को स्वीकार नहीं कर सकता जिन्हें वह अपराधी या देशद्रोही मानता है।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, उसने वुछ ऐसे शब्दों का प्रयोग भी किया जिसमें उसने ट्रंप प्रशासन से जुड़े विवादों और आरोपों का जिव्र किया। उसने सुरक्षा व्यवस्था को लेकर भी टिप्पणियां कीं और दावा किया कि आयोजन स्थल पर सुरक्षा का ध्यान मुख्य रूप से प्रदर्शनकारियों और सामान्य आगंतुकों पर था, न कि किसी संभावित खतरे पर। इस हादसे से यह तो साफ हो जाता है कि सिक्योरिटी की कमी थी। किसी हथियारबंद व्यक्ति का राष्ट्रपति के कार्यव्रम के इतने करीब पहुंचना भी बेहद गंभीर लापरवाही है। वहां ट्रंप ही नहीं, उनके प्रशासन से जुड़े सभी महत्वपूर्ण लोग मौजूद थे जो निशाना बन सकते थे। कथित हमलावर भी कोई अनपढ़, गंवार, भाड़े का हत्यारा नहीं है वह मैकेनिकल इंजीनियरिंग पढ़ा सम्मानजनक टीचर था। विडम्बना यह है कि अमेरिकी राष्ट्रपति पद जितना ताकतवर माना जाता है उससे जुड़े खतरे उतने ही बड़े हैं। अब्राहम लिंकन से लेकर जॉन एफ. वैनेडी तक अमेरिका के चार राष्ट्रपतियों की हत्या हो चुकी है। ट्रंप पर यह तीसरा असफल हमला है। संयोग या वुछ और? व्हाइट हाउस की स्पोक्समैन लेविट के बयान के बाद से सोशल मीडिया पर नई बहस छिड़ गई है। लोग हैरान हैं कि आखिर उन्होंने ऐसे शब्दों का इस्तेमाल क्यों किया जो बाद में हकीकत बन गईं। हालांकि उनके समर्थकों का कहना है कि लेविट का मतलब ट्रंप की तीखी बयानबाजी से था, न कि असली गोलियों से। सोशल मीडिया में वुछ लोग इसे स्टेज्ड ड्रामा भी बता रहे हैं। उनका कहना है कि चारों तरफ से घिरे डोनाल्ड ट्रंप ने अमेरिकी जनता की सहानुभूति लेने के लिए यह ड्रामा करवाया है।

सम्भव है कि इस घटना के बाद इस बार भी वुछ मोर्चे पर चुनौती झेल रहे ट्रंप प्रशासन को थोड़ी राहत मिल जाए। बाकी सत्य कभी निकलेगा या नहीं यह नहीं कहा जा सकता। ऐसी घटनाओं का सत्य शायद ही सामने आता है।

स्वामित्व योजना के तहत 3.3 लाख गांवों का मानचित्रण किया गया और ग्रामीण भूमि के मूल्य में 135 लाख करोड़ रुपये की वृद्धि हुई

(जीएनएस)।

2020 में शुरू की गई SVAMITVA योजना, ड्रोन मैपिंग का उपयोग करके कानूनी संपत्ति रिकॉर्ड प्रदान करके भारत में ग्रामीण भूमि स्वामित्व को बदल रही है। यह पहल ग्रामीण भूमि संपत्तियों में अनुमानित ₹135 लाख करोड़ की संपत्ति को अनलॉक कर रही है, जिससे संस्थागत ऋण तक पहुंच में काफी वृद्धि हुई है। संपत्ति कार्ड का उपयोग करके 10,900 से अधिक ऋण, ₹1,679 करोड़ की राशि के, स्वीकृत किए गए हैं।

स्वामित्व ने भूमि मूल्य में 135 लाख करोड़ रुपये का खुलासा किया

विश्व बैंक द्वारा समर्थित, भारतीय प्रबंधन संस्थान, अहमदाबाद द्वारा किए गए एक प्रभाव मूल्यांकन अध्ययन ने योजना की उपलब्धियों पर प्रकाश डाला है। इसने लगभग 3.30 लाख गांवों को डिजिटल रूप से मैप किया है, जिसमें लगभग 70,000 वर्ग किमी शामिल है। 1.89 लाख गांवों में 3.14 करोड़ से अधिक संपत्ति कार्ड जारी किए गए हैं, जिससे अनौपचारिक ग्रामीण आवास भूमि को कानूनी रूप से मान्यता प्राप्त संपत्तियों में परिवर्तित किया गया है।

पंचायती राज मंत्रालय में सचिव, विवेक भारद्वाज ने विश्व बैंक भूमि और संपत्ति अनुसंधान सम्मेलन-2026 में एक आभासी संबोधन के दौरान इन परिणामों पर चर्चा की। विश्व बैंक समूह में प्रमुख अर्थशास्त्री, क्लॉस डेनिंगर ने "SVAMITVA योजना का मूल्यांकन" नामक एक सत्र में मूल्यांकन के निष्कर्ष प्रस्तुत किए।

"क्रेडिट इंपैक्ट्स ऑफ टाइट्लिंग रूरल हैबिटेशन लैंडः एविडेंस फ्रॉम इंडियाज रश्अटक्च्श्अ स्कीम" नामक एक शोध पत्र में ग्रामीण ऋण पहुंच में सुधार में योजना की भूमिका को और अधिक खोजा गया। मूल्यांकन में ग्रामीण ऋण और वित्तीय समावेशन में उल्लेखनीय लाभ पाया गया। मध्य प्रदेश में, SVAMITVA-सर्वेक्षण की गई संपत्तियों से जुड़े ऋण की राशि प्रति पार्सल प्रति वर्ष ₹22,000 से अधिक बढ़ गई।

महाराष्ट्र, गुजरात और मध्य प्रदेश जैसे राज्यों में समग्र ऋण वृद्धि लगभग 6.5 प्रतिशत रही। इस डेटा का विश्लेषण भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) के साथ समन्वय में किया गया, जो वित्तीय समावेशन पर योजना के प्रभाव को उजागर करता है।

स्थानीय शासन को मजबूत करना

इस योजना ने स्थानीय सरकारों की वित्तीय स्थिति को भी मजबूत किया है। संपत्ति कार्डों के वितरण से ग्राम पंचायत संपत्ति कर राजस्व में 4.71 प्रतिशत की वृद्धि हुई और समग्र स्वयं-स्रोत राजस्व में 4.08 प्रतिशत की वृद्धि हुई। यह जमीनी स्तर पर बेहतर वित्तीय स्वायत्तता का संकेत देता है।

भूमि शासन के संदर्भ में, अधिक औपचारिकता की ओर एक बदलाव आया है। आवासीय संपत्तियों के पंजीकृत म्यूटेशन में सालाना 6.2 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जबकि कृषि भूमि म्यूटेशन में 4.87 प्रतिशत की कमी आई। यह स्पष्ट भूमि उपयोग पैटर्न और कम अनौपचारिक लेनदेन का सुझाव देता है।

विवादों को कम करना और विश्वास में सुधार करना

ड्रोन सर्वेक्षण, जमीनी सत्यापन और सामुदायिक सत्यापन के संयोजन ने संपत्ति विवादों को कम किया है और स्वामित्व रिकॉर्ड में विश्वास में सुधार किया है। योजना के तहत जारी किए गए संपत्ति कार्ड कानूनी दस्तावेज प्रदान करते हैं जिनका उपयोग संपार्श्विक के रूप में किया जा सकता है, जिससे ग्रामीण परिवारों को पहली बार संस्थागत वित्त प्राप्त करने में सक्षम बनाया जा सके।

SVAMITVA योजना पूरे भारत में ग्रामीण भूमि स्वामित्व को औपचारिक बनाने और वित्तीय समावेशन को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। उन्नत प्रौद्योगिकी और सामुदायिक भागीदारी के माध्यम से कानूनी संपत्ति रिकॉर्ड प्रदान करके, यह जमीनी स्तर पर आर्थिक विकास और स्थिरता को बढ़ावा दे रही है।

10-12 घंटे की पढ़ाई बेकार! लखनऊ के टॉपरों ने बताया कैसे मात्र 3 घंटे पढ़कर हासिल किए 99.75% अंक

लखनऊ के ISC और ICSE टॉपर्स ने अपनी सफलता का राज बताया, जिसमें रोजाना 3-4 घंटे की एकाग्र पढ़ाई और इंटरनेट मीडिया से दूरी शामिल है।

लखनऊ। सिर्फ लंबे समय तक पढ़ाई ही सफलता की गारंटी नहीं होती, यह बात इस साल के टापर्स ने साबित कर दी। विद्यार्थियों ने रोजाना मात्र तीन से चार घंटे की एकाग्र पढ़ाई और इंटरनेट मीडिया से दूरी बनाकर शानदार अंक हासिल किए। उनका फोकस रटने के बजाय समझने और नियमित रिवीजन पर रहा। आइएससी (12वीं कक्षा) और आइसीएसई (10वीं कक्षा) के मेधावियों ने बातचीत में सफलता की दास्तां बयां की।

आइएससी (2वीं कक्षा)

मेरी पढ़ाई का मंत्र था रोज सिर्फ तीन से चार घंटे की पढ़ाई करना है। मैं रटने की बजाय समझने पर भरोसा करती हूं। इंनटरनेट मीडिया से दूरी और नियमित रिवीजन ने मुझे बहुत मदद की। मेरे शिक्षकों और माता-पिता का सहयोग हमेशा मेरे साथ रहा। मेरा सपना कि मैं प्रशासनिक सेवाओं में जाकर सकारात्मक बदलाव ला सकूं। मेरा मानना है कि सही दिशा में कम समय भी बड़ी सफलता दिला सकता है। -जैनब फातिमा, 99.75 प्रतिशत, सीएमएस अलीगंज

मैंने हमेशा स्मार्ट स्टडी पर ध्यान दिया, न कि लंबे समय तक पढ़ाई पर। मैंने अपने लक्ष्य को हासिल किया। टाइम मैनेजमेंट और सेल्फ नोट्स मेरी सबसे बड़ी ताकत रहे। मैं आगे चलकर इंजीनियर बनना चाहती हूं और देश के लिए कुछ नया करना चाहती हूं। मेरी सफलता यह साबित करती है कि मेहनत सही दिशा में होनी चाहिए। -संस्कृति चंदेल, 99.75 प्रतिशत, सीएमएस गोमतीनगर प्रथम--

मैने एकाग्रता के साथ तैयारी की और हर विषय को समझकर पढ़ने से आत्मविश्वास बढ़ा। परीक्षा के समय मैंने खुद पर भरोसा रखा। मेरे परिवार और शिक्षकों का मार्गदर्शन हमेशा मिला। मेरा सपना इंजीनियर बनकर तकनीक के क्षेत्र में कुछ नया करना

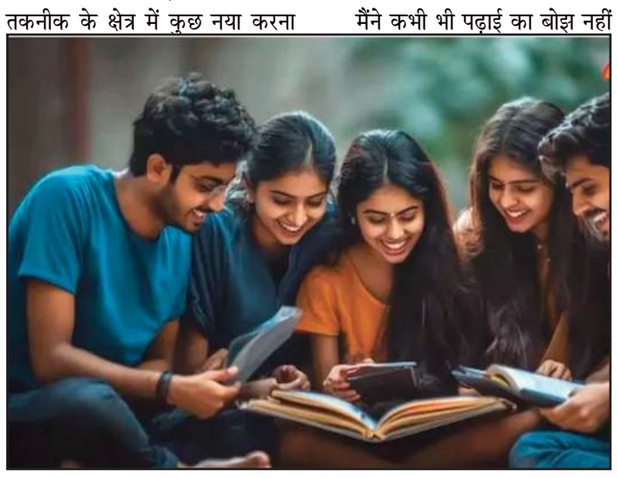

है। मैं मानती हूं कि कम समय में भी बड़ी सफलता संभव है। -छवि मिश्रा, 99.75 प्रतिशत, सीएमएस गोमतीनगर प्रथम

मेरा मानना है कि पढ़ाई की क्वालिटी ज्यादा महत्वपूर्ण है। मैंने हर विषय को समझने और बार-बार रिवीजन करने पर ध्यान दिया। मेरे माता-पिता और शिक्षकों ने हमेशा मेरा हौसला बढ़ाया। मेरा सपना कि आइएएस अधिकारी बनना है ताकि समाज में बदलाव ला सकूं। मेरी सफलता का राज निरंतरता और आत्मविश्वास है।- ओसीन अग्रवाल,99.75 प्रतिशत, सीएमएस महानगर

मैंने कभी भी पढ़ाई का बोझ नहीं लिया, सही रणनीति और टाइम मैनेजमेंट से यह संभव हुआ। मैंने अपने कमजोर विषयों पर ज्यादा ध्यान दिया। परिवार और शिक्षकों का सहयोग मेरी ताकत रहा। मेरा लक्ष्य इंजीनियर बनना है और देश के विकास में योगदान देना है। मेरा मानना है कि संतुलित पढ़ाई से ही सफलता मिलती है। -आर्या द्विवेदी, 99.5 प्रतिशत, सीएमएस अलीगंज

आइसीएसई (10वीं कक्षा)

मैंने रोजाना पांच से छह घंटे पढ़ाई की और हर विषय को समझने की कोशिश की। मैंने समय का सही उपयोग किया और रिवीजन पर खास ध्यान दिया। मेरे माता-पिता और शिक्षकों ने मुझे हमेशा प्रेरित किया। मेरा सपना इंजीनियर बनना है और टेक्नोलाजी के क्षेत्र में कुछ नया करना है। मेरी सफलता यह बताती है कि कम समय में भी बड़ी उपलब्धि हासिल की जा सकती है। -वैवश्वत नारायण दुबे,99.8 प्रतिशत, सीएमएस गोमतीनगर प्रथम

मेरी पढ़ाई का तरीका सरल था। मैंने हर विषय को गहराई से समझने की कोशिश की। इंटरनेट मीडिया से दूरी और नियमित अभ्यास ने मुझे सफलता दिलाई। मेरा सपना आइएएस अधिकारी बनना है ताकि समाज की सेवा कर सकूं। मेरे परिवार और शिक्षकों का सहयोग मेरे लिए सबसे बड़ी ताकत रहा। -जेहरा फातिमा, 99.6 प्रतिशत, सीएमएस अशफाबाद

मैंने अपने नोट्स खुद बनाए और नियमित रिवीजन किया। कठिन विषयों को समझने में शिक्षकों की मदद ली। मेरा सपना इंजीनियर बनना है और देश के लिए नई तकनीक विकसित करना है। मेरी सफलता का मंत्र है कि निरंतर अभ्यास और आत्मविश्वास। अपने जैसे साथियों से कहना चाहता हूं कि खुद की पढ़ाई पर फोकस करें। -अनय अग्रवाल, 99.6 प्रतिशत, सीएमएस गोमतीनगर प्रथम

तीन से पांच घंटे की पढ़ाई की और एकाग्रता के साथ की। मैंने हर विषय को समझकर पढ़ा और बार-बार रिवीजन किया। मेरे माता-पिता और शिक्षकों ने हमेशा मेरा मार्गदर्शन किया। मेरा सपना एक अच्छा अधिकारी बनना है ताकि समाज में बदलाव ला सकूं। मेरी सफलता का राज मेहनत और सही दिशा में प्रयास है। -अफसान अहमद, 99.4 प्रतिशत, सीएमएस गोमतीनगर प्रथम

हर विषय को समझने पर ध्यान दिया। टाइम मैनेजमेंट और सेल्फ स्टडी मेरी सफलता की कुंजी रही। मैंने परीक्षा के समय शांत रहकर आत्मविश्वास बनाए रखा। मेरा सपना इंजीनियर बनना है और देश के विकास में योगदान देना है। मेरा मानना है कि सही रणनीति से कम समय में भी बड़ी उपलब्धि हासिल की जा सकती है। -दिव्यांश कुशवाहा, 99.4 प्रतिशत,सीएमएस गोमतीनगर प्रथम

'उसके फैसले का सम्मान करें', सुप्रीम कोर्ट का बड़ा फैसला, नाबालिग रेप पीड़िता को अबॉर्शन की अनुमति

(जीएनएस)।

भारत के सर्वोच्च न्यायालय ने गुरुवार (30 अप्रैल 2026) को एक बेहद संवेदनशील मामले में नाबालिग बलात्कार पीड़िता के पक्ष में बड़ा फैसला सुनाया। 15 वर्षीय लड़की की 31 सप्ताह की गर्भावस्था को समाप्त करने की अनुमति देने वाले अपने पहले आदेश को केंद्र सरकार की चुनौती पर कोर्ट ने सख्ती से खारिज कर दिया।

मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची की पीठ ने कहा कि पीड़िता और उसके परिवार का फैसला सम्मानजनक होना चाहिए। कोर्ट ने केंद्र सरकार को फटकार लगाते हुए साफ कहा- 'नाबालिग बच्ची को गर्भावस्था धारण करने के लिए मजबूर नहीं किया जा सकता।'

SC ने केंद्र को क्या कहा?

पीड़िता की गरिमा, मानसिक स्वास्थ्य और व्यक्तिगत पसंद को प्राथमिकता दी जानी चाहिए।

बलात्कार के बाद जो दर्द सहा है, उसे कोई पूरी तरह समझ या भरपाई नहीं कर सकता।

निर्णय लेने का अधिकार मुख्य रूप से पीड़िता और उसके परिवार के पास है, न कि राज्य के पास।

कोर्ट ने सुझाव दिया कि डॉक्टर परिवार को सभी चिकित्सीय तथ्य बताएं, लेकिन कोई उपचार न थोपें।

मुख्य न्यायाधीश ने कहा, 'हमले के बाद नाबालिग को जो पीड़ा हुई, उसे कोई नहीं समझ सकता।'

न्यायमूर्ति बागची ने जोर दिया कि व्यक्तिगत पसंद का सम्मान होना चाहिए। कोर्ट ने केंद्र से अपील की कि बलात्कार पीड़ितों (खासकर नाबालिगों) के लिए 20 सप्ताह से अधिक की गर्भावस्था समाप्त करने के लिए कानून में संशोधन किया जाए।

सरकार की दलील और कोर्ट का जवाब

केंद्र सरकार की ओर से अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल ऐश्वर्या भाटी ने दलील दी कि 30-31 सप्ताह में गर्भावस्था समाप्त करना चिकित्सकीय रूप से खतरनाक हो सकता है। AIIMS की रिपोर्ट का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि बच्चे को जन्म देकर गोद लेना ज्यादा सुरक्षित विकल्प है।

लेकिन पीठ ने भावनात्मक और मनोवैज्ञानिक प्रभाव पर फोकस किया। कोर्ट ने कहाः

15 साल की लड़की पहले ही गंभीर आघात झेल चुकी है।

गर्भावस्था जारी रखने से उसका दर्द और बढ़ेगा।

इस उम्र में उसे शिक्षा और भविष्य पर ध्यान देना चाहिए, न कि मातृत्व की जिम्मेदारी संभालनी चाहिए।

अगर बच्चे की भलाई और अन्य मुद्दों में टकराव हो तो पीड़िता की गरिमा और मानसिक स्वास्थ्य को प्राथमिकता मिलनी चाहिए।

कोर्ट का संदेश

न्यायाधीशों ने सलाह दी कि संघर्ष नहीं, समर्थन की अपील करें। मामले को कानूनी लड़ाई बनाने के बजाय परामर्शदाताओं और मनोचिकित्सकों की मदद से परिवार को सहायता दी जाए। कोर्ट ने कहा कि लड़की और परिवार को स्थिति से निपटने में मदद मिलनी चाहिए, न कि किसी फैसले को थोपा जाए।

सुप्रीम कोर्ट का यह फैसला प्रजनन अधिकारों और बलात्कार पीड़ित नाबालिगों के मामले में एक महत्वपूर्ण मिसाल बन गया है। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि कानून के साथ-साथ मानवीय संवेदना और करुणा भी जरूरी है।

फैमिली के साथ- साथ फाइनेंशियल इंडिपेंडेंस और बेहतर करियर को इंपॉर्टेंस दे रहीं गर्ल्स

राजधानी में रहने वाली अदिति कहती हैं कि अच्छी और लग्जूरियस लाइफ हर कोई स्पेंड करना चाहता है, पर उसमें एफर्ट्स लगते हैं। अभी तक ये चलता आया है कि लड़कियां घर के अंदर का काम करेंगी। उनके पिता, भाई या पति जो कुछ उनके लिए करेंगे, उसी में वे खुश रहेंगी। हालांकि, अब टाइम बदल चुका है। अगर खुश रहना है, लग्जरी अफोर्ड करनी है तो एफर्ट्स करने पड़ेंगे, मेहनत तो लगती है।

लखनऊ, (जीएनएस)। 'जब हम फाइनेंशियली इंडिपेंडेंट होंगे तो अपने डिसीजन खुद ले पायेंगे', 'स्टेबल करियर बहुत जरूरी है, बाद में कोई सपोर्ट नहीं करता', 'करियर और फैमिली में बैलेंस बनाओ, लेकिन करियर को नेगलेक्ट न करो', कुछ ऐसा ही कहना है राजधानी की

ज्यादातर गर्ल्स और वर्किंग विमेंस का। उनके मुताबिक, जिस तरह से आज का टाइम चेंज हो रहा है, लोगों की नीड्स चेंज हो रही हैं। पहले के कम्पेरिजन में प्रायोरिटीज अलग हैं इसलिए एक अच्छी लाइफ जीने के लिए हमारा फाइनेंशियली इंडिपेंडेंट होना जरूरी है। इसके लिए करियर और जॉब मायने रखते हैं क्योंकि आज के मॉडर्न टाइम में आप किसी पर बोझ बनकर नहीं रह सकते।

लाइफ अच्छी बनानी पड़ती है

राजधानी में रहने वाली अदिति कहती हैं कि अच्छी और लग्जूरियस लाइफ हर कोई स्पेंड करना चाहता है, पर उसमें एफर्ट्स लगते हैं। अभी तक ये चलता आया है कि लड़कियां घर के अंदर का काम करेंगी। उनके पिता, भाई या पति जो कुछ उनके लिए करेंगे, उसी में वे खुश रहेंगी। हालांकि, अब टाइम बदल चुका है। अगर खुश रहना है, लग्जरी अफोर्ड करनी है तो एफर्ट्स करने पड़ेंगे, मेहनत तो लगती है। जब अपने पैसों से सपने पूरे होते हैं तो अलग ही फील आता है।

फैमिली और करियर, दोनों की जिम्मेदारी

अपने पेरेंट्स की सिंगल गर्ल चाइल्ड साक्षी कहती हैं कि देखा जाए तो मेरे पेरेंट्स की जिम्मेदारी मेरी है क्योंकि उन्होंने अपना फ्यूचर मुझमें देखा है। अब मैं भी अपना फ्यूचर ब्राइट बनाना चाहती हूं, लेकिन इस बीच मुझे बैलेंस बनाना होगा क्योंकि मैं उन्हें भी छोड़ नहीं सकती। पर सच कहूं तो ये उतना मुश्किल भी नहीं है क्योंकि मेरे पेरेंट्स बहुत सपोर्टिव हैं और उन्होंने मुझे हमेशा से समझाया है कि अपनी जरूरत खुद ही पूरी करनी होगी, जिसके लिए खुद का स्टेबल होना जरूरी है।

चेंज की शुरूआत हमसे होती है

सोसाइटी में चेंज को लेकर सलोनी कहती हैं कि बदलाव की शुरूआत हमसे होती है। स्टार्टिंग में चैलेंज आते हैं, लेकिन अगर हम डटे रहें तो आगे का रास्ता सिर्फ हमारे लिए नहीं बल्कि बाकियों के लिए भी आसान हो जाता है। सोसायटी में चेंज आना शुरू हुआ है। लोग अब गर्ल्स को पढ़ा रहे हैं, आगे बढ़ा रहे हैं, हमें बस आगे बढ़ते जाना है।

क्या कहती है गर्ल्स

एक लड़की जितनी अधिक आर्थिक रूप से स्वतंत्र होती है और अपने पैरों पर खड़ी होती है, उतना ही वह अपने जीवन के फैसले आत्मविश्वास के साथ ले पाती है। -सलोनी शुक्ला

फाइनेंशियल इंडिपेंस और करियर, दोनों ही गर्ल्स के सिक्योर फ्यूचर के लिए बहुत जरूरी हैं। -साक्षी

टाइम बदल रहा है। गर्ल्स को अपनी नीड्स पूरी करने के लिए फाइनेंशियली इंडिपेंडेंट होना पड़ेगा, जिसके लिए स्टेबल करियर बहुत इंपॉर्टेंट है। -श्रेया

एक इंडिपेंडेंट विमेन न सिर्फ अपने सपने पूरे करती है बल्कि कई और गर्ल्स को भी मोटिवेट करती है। कॉन्फिडेंस के साथ अपनी शर्तों पर जीने के लिए करियर जरूरी है। -अंकिता

सोशल मीडिया रिएक्शन

जब हम विमेन एंपावरमेंट की बात करते हैं तो उसमें विमेन सेफ्टी के साथ फाइनेंशियल इंडिपेंडेंस भी शामिल है। -सुष्मिता

गर्ल्स को अपनी पहचान बनाने और बनाए रखने के लिए एफर्ट्स तो करने ही पड़ रहे हैं क्योंकि सोसाइटी गर्ल्स के प्वाइंट ऑफ व्यू को समझ नहीं पाई है। -ईशा

डान 3 से क्यों बाहर हुए रणवीर सिंह? एक्टर ने कर दी ऐसी डिमांड

(जीएनएस)।

जब साल 2023 में बॉलीवुड के फमस एक्टर, सिंगर और फिल्म मेकर फरहान अख्तर ने रणवीर सिंह को लेकर 'डॉन 3' मूवी का ऐलान किया था, तब से ही फिल्म को लेकर जबरदस्त उत्साह देखने को मिला है। हालांकि सुपरस्टार शाहरुख खान के फैंस ने शुरूआत में इस कास्टिंग पर आपत्ति जताई थी।

फरहान अख्तर-रणवीर सिंह के बीच हुई झड़प?

वहीं वक्त के साथ ये प्रोजेक्ट उम्मीदों से ज्यादा विवादों में घिरता चला गया और अब रणवीर सिंह के फिल्म से अलग होने की खबरों ने इसे और सुर्खियों में ला दिया है। कहा जा रहा है कि फरहान अख्तर और रणवीर सिंह के बीच फिल्म की शूटिंग को लेकर कुछ विवाद हुआ है।

क्रिएटिव मतभेद बना बड़ा कारण?

-मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक रणवीर सिंह और फरहान अख्तर के बीच फिल्म की क्रिएटिव दिशा को लेकर मतभेद सामने आए है। कहा जा रहा है कि रणवीर सिंह 'डॉन' के किरदार को ज्यादा रॉ और हिंसक अंदाज में पेश करना चाहते थे, जिसमें आज के दर्शकों के हिसाब से गहरे और तीखे डायलॉग शामिल हों।

-वहीं फिल्म के डायरेक्टर फरहान अख्तर इस बदलाव के पक्ष में नहीं थे। उनका मानना था कि 'डॉन' का किरदार हमेशा एक स्टाइलिश और कंट्रोल्ड व्यक्तित्व का रहा है, जिसमें न तो गाली-गलौज की जरूरत है और न

ही अत्यधिक हिंसा की।

'डॉन' की पहचान पर कायम रहना चाहते थे फरहान अख्तर

फरहान अख्तर का साफ मानना था कि अमिताभ बच्चन और शाहरुख खान द्वारा निभाए गए 'डॉन' के किरदार की एक खास छवि रही है। इस किरदार की खासियत उसकी चालाकी, दिमागी खेल और स्टाइल है, न कि खून-खराबा या आक्रामक भाषा। यही वजह रही कि उन्होंने कहानी की मूल आत्मा से समझौता करने से इनकार कर दिया।

प्रोडक्शन विवाद और मुआवजे की चर्चा

-मीडिया रिपोर्ट्स में ये भी दावा किया गया है कि फिल्म से अलग होने के बाद मामला सिर्फ क्रिएटिव मतभेद तक सीमित नहीं रहा। Excel Entertainment और रणवीर सिंह के बीच आर्थिक विवाद की खबरें भी सामने आई थीं।

-कहा गया कि प्रोडक्शन हाउस ने प्री-प्रोडक्शन और शेड्यूल में बदलाव से हुए नुकसान के चलते मुआवजे की मांग की थी। हालांकि बाद में ये भी खबर आई कि रणवीर सिंह कुछ राशि लौटाने के लिए तैयार हो गए हैं।

फरहान अख्तर ने फिल्म को लेकर तोड़ी चुप्पी

-हाल ही में दिए एक इंटरव्यू में फरहान अख्तर ने इस पूरे विवाद पर प्रतिक्रिया दी थी। उन्होंने कहा कि फिल्म इंडस्ट्री में कई बार चीजें प्लान के मुताबिक नहीं चलतीं और ऐसे अनुभव बहुत कुछ सिखाते हैं।

-फरहान अख्तर ने ये भी साफ किया है कि 'डॉन 3' उनके दिल के बेहद करीब है और ये प्रोजेक्ट अभी बंद नहीं हुआ है। उनके मुताबिक फिल्म जरूर बनेगी, बस सही समय और परिस्थितियों का इंतजार है।

चमके लखनऊ के सितारे, 10वीं में शिवम तो 12वीं में ओशीन रहे टॉपर

सीआईएससीई बोर्ड के नतीजों में लखनऊ के छात्रों ने शानदार प्रदर्शन किया। 10वीं में शिवम अवस्थी ने 99.80% और 12वीं में ओशीन, जैनब, संस्कृति व छवि ने 99.75% अंक हासिल किए। कई छात्रों ने 99% से अधिक अंक लाकर शहर का नाम रोशन किया।

(जीएनएस)।

काउंसिल फॉर द इंडियन स्कूल सर्टिफिकेट एग्जामिनेशंस (सीआईएससीई) ने बृहस्पतिवार को इंडियन सर्टिफिकेट ऑफ सेकेंडरी एजुकेशन, कक्षा- 10वीं (आईसीएसई) और इंडियन स्कूल सर्टिफिकेट कक्षा-12वीं (आईएससी) का परिणाम जारी कर दिया।

परिणाम में एलपीसी राजाजीपुरम के कक्षा 10वीं के छात्र शिवम अवस्थी ने 99.80 प्रतिशत हासिल किया। कक्षा 12वीं के परिणाम में सीएमएस की छात्रा ओशीन अग्रवाल, जैनब फातिमा, संस्कृति चंदेल और छवि मिश्रा ने 99.75 प्रतिशत अंक हासिल कर लखनऊ का मान बढ़ाया है।

सीएमएस के मीडिया प्रभारी ऋषि खन्ना ने बताया कि कक्षा 10वीं के परिणाम में 20 से अधिक विद्यार्थियों ने 99 प्रतिशत से अधिक अंक हासिल किए हैं। इसी तरह कक्षा 12वीं के परिणाम में 42 से अधिक विद्यार्थियों 99 प्रतिशत से अधिक अंक हासिल कर शहर और विद्यालय का नाम रौशन किया है। परिणाम में सेंट जोसेफ कॉलेज और एलपीसी राजाजीपुरम के मेधावियों ने भी 99 प्रतिशत से अधिक अंक अर्जित किए।

कक्षा 10वीं में 98.21 व कक्षा 12वीं में 98.40 प्रतिशत रहा परिणाम

काउंसिल फॉर द इंडियन स्कूल सर्टिफिकेट एग्जामिनेशंस

(सीआईएससीई) ने बृहस्पतिवार को कक्षा 10वीं और कक्षा 12वीं का परिणाम जारी किया। दोनों बोर्ड की परीक्षाओं में 98 प्रतिशत विद्यार्थियों ने सफलता हासिल की। इनमें कक्षा 10वीं का 98.21, जबकि कक्षा 12वीं का 98.40 प्रतिशत रिजल्ट रहा।

अनएडेड प्राइवेट स्कूल्स एसोसिएशन के अध्यक्ष व सेंट जोसेफ विद्यालय के प्रबंध निदेशक अनिल अग्रवाल ने बताया कि राजधानी के 120 विद्यालयों में आईसीएसई कक्षा-10वीं की परीक्षा हुई, जिसमें 14,500 अभ्यर्थियों ने परीक्षा दी थी।

इसी तरह राजधानी के 100 विद्यालयों में आईएससी कक्षा-12वीं की परीक्षा आयोजित हुई, इनमें करीब 12 हजार अभ्यर्थी शामिल हुए। दोनों कक्षाओं की परीक्षा में 98 प्रतिशत से अधिक अभ्यर्थियों ने परीक्षा पास की है। सीएमएस के मीडिया प्रभारी ऋषि खन्ना ने बताया कि संस्थान के सभी सात परिसरों में कुल 7030 अभ्यर्थी पंजीकृत थे इनमें 100 प्रतिशत विद्यार्थियों ने परीक्षा उत्तीर्ण की है।

पिता नहीं रहे, संघर्ष के बीच मां ने पढ़ाया, बिटिया ने पाए 99.4% अंक

इंसान के जज्बे के आगे दुश्वारियां बौनी साबित होती हैं। आईसीएसई की परीक्षा में 99.4 प्रतिशत अंक हासिल करने वाली राजाजीपुरम की एलडीए कॉलोनी निवासी फरीन खान इसकी मिसाल हैं। सीएमएस राजाजीपुरम की छात्रा फरीन बताती हैं कि सात वर्ष पहले पिता जाहिद खान की मृत्यु के बाद मां आयशा खान ने संघर्षों के बीच उन्हें पढ़ाया।

वह घर पर उनकी पढ़ाई का ध्यान रखती थीं। उन्होंने सफलता का श्रेय नानी को भी दिया। फरीन का कहना है कि पिता का सपना था कि वह आईएएस अफसर बनकर देश की सेवा करे, इसलिए यही लक्ष्य रखा है। इसके लिए जितनी कठोर मेहनत की जरूरत होगी, वह करने के लिए तैयार हैं। फरीन ने बताया कि घर पर रोजाना तीन से चार घंटे नियमित पढ़ाई की।

दसवीं के मेधावी-

नामः अफशान अहमद-प्रतिशतः 99.4-स्कूलः सीएमएस गोमती नगर-1-पिताः महमूद आलम, अर्शी बानो-सफलता का मंत्रः कड़ी मेहनत-लक्ष्यः इंजीनियर

नामः दिव्यांश कुशवाहा-प्रतिशतः 99.4-स्कूलः सीएमएस गोमती नगर-1-माता-पिताः पीसी कुशवाहा, डॉ. सुमित्रा मौर्या-सफलता का मंत्रः लक्ष्य बनाकर पढ़ाई की-लक्ष्यः आईआईटी में प्रवेश की तैयारी

नामः कार्तिकेय पांडेय-प्रतिशतः 99-माता-पिताः राघवेंद्र पांडेय, अजया पांडेय-स्कूलः सेंट फेडलिस कॉलेज, विकास नगर-सफलता का मंत्रः स्कूल के बाद घर भी कड़ी मेहनत-लक्ष्यः इंजीनियर

नामः रिद्धि तिवारी-प्रतिशतः 99.4-माता पिताः डॉ. भुवन तिवारी, सोनिका तिवारी-स्कूलः लामार्टिनियर गर्ल्स कॉलेज-सफलता का मंत्रः छह घंटे घर पढ़ाई-लक्ष्यः डॉक्टर

नामः वान्या मेहरा-प्रतिशतः 99.25-माता-पिताः गौतम मेहरा, रितिका मेहरा-स्कूलः लामार्टिनियर गर्ल्स कॉलेज-सफलता का मंत्रः शेड्यूल के साथ पढ़ाई-लक्ष्यः ईको आनर्स की तैयारी

नामः नंदिका गुप्ता-प्रतिशतः 98.25-माता पिताः पंकज कुमार गुप्ता, डॉ. कविता चतुर्वेदी-स्कूलः लार्मार्टिनियर गर्ल्स इंटर कॉलेज-सफलता का मंत्रः खेल के साथ पढ़ाई की-लक्ष्यः एमबीए की पढ़ाई और आईएएस

लखनऊ में निमार्णाधीन अस्पताल में खोदाई के दौरान खिसकी मिट्टी, दो मजदूर दबे; एक की मौत

लखनऊ के गोमतीनगर में निमार्णाधीन अस्पताल में खुदाई के दौरान मिट्टी धंसने से दो मजदूर दब गए, जिसमें एक की मौत हो गई और दूसरा घायल है। ..

लखनऊ। (जीएनएस)। गोमतीनगर राम मनोहर लोहिया अस्पताल के सामने के गुरुवार सुबह बिना सुरक्षा मानक के निमार्णाधीन निजी अस्पताल में खोदाई के दौरान मिट्टी खिसक गई, जिसमें वहां काम कर रहे दो मजदूर दब गए। साथी मजदूरों की सूचना पर पुलिस ने दमकलकर्मियों की मदद से रेस्क्यू कर दोनों को बाहर निकाला और अस्पताल पहुंचाया, जिसमें एक मजदूर की मौत हो गई। दूसरे का इलाज चल रहा है।

यादवेंद्र नाथ चौबे व उनकी पत्नी पल्लवी ने 750 वर्ग मीटर का कमर्शियल प्लाट (संख्या टीसी-13 वी 17बी) खरीदा था। जमीन पर आरोग्यम मेडिकेयर के नाम से अस्पताल बन रहा है। गुरुवार सुबह चार मजदूर नींव की सफाई में लगे थे। अचानक मिट्टी खिसकने लगी तभी दो मजदूर समय रहते बाहर निकल गए, लेकिन 35 वर्षीय लक्ष्मी शंकर अवस्थी और तुलसीराम उसमें दब गए।

आसपास मौजूद लोगों ने तुरंत मिट्टी हटाकर दोनों को बाहर निकालने का प्रयास शुरू किया। करीब आधे घंटे तक स्थानीय लोग ही राहत कार्य में जुटे रहे, इसके बाद पुलिस और दमकलकर्मी पहुंचे। मलबे से निकाले गए दोनों मजदूरों को घटना स्थल के सामने स्थित लोहिया संस्थान ले जाया

गया, जहां पहुंचने से पहले ही लक्ष्मी शंकर अवस्थी की मौत हो गई, जबकि तुलसीराम का इलाज जारी है। विभूतिखंड थाने के इंस्पेक्टर अमर सिंह ने बताया कि मृतक बाराबंकी के रामनगर का निवासी था। इस संबंध में एलडीए और खनन विभाग से संपर्क किया जा रहा है। सुरक्षा मानकों के बारे में जानकारी की जा रही है।

पहले हम लोगों ने मिट्टी हटाने का किया था प्रयास

साथी मजदूरों ने बताया, हादसे के वक्त मजदूर नींव की सफाई कर रहे थे। अचानक पीछे की तरफ से मिट्टी खिसकी और उसी में वह दोनों दब गए। किसी तरह अन्य दोनों ने पीछे हटकर जान बचाई। इसके बाद फावड़ों से मलबा हटाकर साथियों को निकालने की कोशिश की, लेकिन तब तक एक की हालत गंभीर हो चुकी थी।

एलडीए का दावा, पास है नक्शा

एलडीए के अपर सचिव सीपी त्रिपाठी ने बताया कि संबंधित भूखंड का नक्शा प्राधिकरण से पास है। खोदाई की खनन विभाग से अनुमति भी मिली है। वहां अस्पताल का निर्माण कार्य चल रहा था। उन्होंने कहा कि हादसे के कारणों की जांच की जा रही है, जबकि आगे की कार्रवाई पुलिस कर रही है।

नहीं पूरे थे सुरक्षा मानक

घटना स्थल पर ठेकेदार ने कोई नियम का पालन नहीं किया था। खोदाई वाली जगह के चारों ओर कम से कम एक से डेढ़ मीटर ऊंची फेंसिंग या बैरिकेड लगाया जाना चाहिए था। रात में सुरक्षा के लिए रेड लाइट या रिफ्लेक्टिव पेंट का उपयोग होना था। खोदी गई मिट्टी, मशीनरी या अन्य निर्माण सामग्री भूखंड से किनारे से कम से कम दो फीट (0.61 मीटर) दूर होना चाहिए था। यही नहीं डेढ़ मीटर से अधिक गहरी खाई में उतरने के लिए सीढ़ियां या रैंप का उपयोग होना चाहिए था।

परिवार मिली की आर्थिक सहायता

घटना स्थल पर पुलिस के साथ जिला प्रशासन की तरफ से एसीएम सचिन वर्मा पहुंचे। उन्होंने बताया, मृतक के परिवारजन को आपदा राहत कोष से चार लाख रुपये की आर्थिक सहायता दी जा रही है। साथ ही लेखपाल से घटना की रिपोर्ट तलब की गई है।

खोदाई के दौरान पहले भी हो चुके हादसे

-15 सितंबर 2025 आशियाना : निमार्णाधीन मकान की दीवार गिरने से एक मजदूर की मौत, दो घायल।

-22 जुलाई 2024 आलमबाग : भारी बारिश के चलते कच्ची दीवार ढही, एक महिला की मौत।

-10 जनवरी 2023 हजरतगंज क्षेत्र : पुराने भवन की दीवार गिरने से राहगीर घायल।

-5 अगस्त 2022 ठाकुरगंज : जर्जर मकान की दीवार गिरने से दो बच्चों की मौत।

लखनऊ में मेट्रो स्टेशन पर छात्र के बैग से मिली ऐसी चीज, तुरंत अलर्ट हो गई पुलिसा; पकड़कर भेजा जेल

लखनऊ के चारबाग मेट्रो स्टेशन पर नियमित जांच के दौरान एक बीकॉम छात्र को अवैध तमंचे के साथ गिरफ्तार किया गया।

लखनऊ। (जीएनएस)। मेट्रो की सख्त सुरक्षा व्यवस्था के बीच गुरुवार को चारबाग मेट्रो स्टेशन पर एक चौंकाने वाला मामला सामने आया। नियमित चेकिंग के दौरान बीकॉम के एक छात्र को अवैध तमंचे के साथ गिरफ्तार किया गया। आरोपित बाराबंकी जाने के लिए निकला था, लेकिन स्टेशन के स्कैनर में ही उसकी मंशा उजागर हो गई।

इंस्पेक्टर नाका अभिनव वर्मा के अनुसार, मेट्रो स्टेशन पर लगे स्कैनर मशीन से गुजरते समय एक युवक के बैग में संदिग्ध वस्तु का संकेत मिला। सुरक्षा कर्मियों ने तुरंत सतर्कता दिखाते हुए सूचना पुलिस को दी। मौके पर पहुंची थाना नाका हिंडोल पुलिस ने युवक को हिरासत में लेकर तलाशी ली, तो उसके पास से .315 बोर का

अवैध देशी तमंचा बरामद हुआ। आरोपित की पहचान वेदांग अग्निहोत्री के रूप में हुई। वह मूल रूप से हरदोई का रहने वाला है और वर्तमान में चिनहट क्षेत्र में रहकर एक निजी कॉलेज से बीकाम की पढ़ाई कर रहा है। युवक ने पुलिस को बताया कि वह बाराबंकी जाने के लिए निकला था और तमंचा केवल शौक के लिए अपने पास रखा था।

हालांकि, पुलिस इस दलील को गंभीरता से लेते हुए तमंचे की खरीद और स्रोत की जांच में जुट गई है। नाका पुलिस ने आरोपित के खिलाफ आर्म्स एक्ट की धाराओं में मुकदमा दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

पहले भी मेट्रो स्टेशनों पर असलहा व कारतूस के साथ पकड़े गए मामले

12 जनवरी 2026 झ चारबाग मेट्रो स्टेशन

चेकिंग के दौरान एक युवक के बैग से 12 बोर का तमंचा और दो कारतूस बरामद, आरोपी गिरफ्तार।

3 सितंबर 2025 झ हजरतगंज मेट्रो स्टेशन

स्कैनिंग में कारतूस मिलने पर यात्री हिरासत में, पूछताछ के बाद मुकदमा दर्ज।

21 मार्च 2024 झ ट्रांसपोर्ट नगर मेट्रो स्टेशन

सुरक्षा जांच में युवक के पास से अवैध पिस्टल बरामद, मौके पर गिरफ्तारी।

8 जुलाई 2023 झ चारबाग मेट्रो स्टेशन

बैग में छिपाकर रखे गए तीन जिंदा कारतूस के साथ एक संदिग्ध पकड़ा गया।

नारी शक्ति वंदन संशोधन विधेयक में बाधक विपक्ष के खिलाफ निंदा प्रस्ताव पास, सीएम योगी बोले- हम मजहबी आरक्षण...

लखनऊ। (जीएनएस)। महिला सशक्तीकरण के मुद्दे पर गुरुवार को बुलाए गए विधानमंडल के विशेष सत्र में

नारी शक्ति वंदन संशोधन विधेयक लोकसभा में पारित कराने में बाधक बने कांग्रेस, सपा व अन्य विपक्षी दलों के खिलाफ निंदा प्रस्ताव पारित किया गया। योगी सरकार ने विधानमंडल के दोनों सदनों में यह प्रस्ताव पास कराया। विधान सभा में संसदीय कार्य मंत्री सुरेश सुरेश कुमार खन्ना व विधान परिषद में नेता सदन केशव प्रसाद मौर्य ने निंदा प्रस्ताव पेश किया, जिसे दोनों ही जगह ध्वनिमत से पारित किया गया। विपक्ष ने प्रस्ताव का विरोध किया।

निंदा प्रस्ताव पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि विपक्ष ने इस संशोधन विधेयक को रोकने के लिए मजहबी आरक्षण को आधार बनाया। हम मजहबी आरक्षण का विरोध करते रहे हैं और आगे भी करते रहेंगे। भाजपा हमेशा से अनुसूचित जाति, जनजाति और पिछड़े वर्गों के आरक्षण के पक्ष में रही है।

इन वर्गों को इनका अधिकार व हक जरूर मिलना चाहिए। सपा को निशाने पर लेते हुए उन्होंने कहा कि विपक्ष ने नारी शक्ति वंदन अधिनियम संशोधन विधेयक का विरोध कर महिलाओं को मिलने वाले राजनीतिक अधिकारों को बाधित करने का प्रयास किया, मजहबी आरक्षण का मुद्दा उठाकर वास्तविक उद्देश्य से लोगों का ध्यान भटकाया। देश के साथ इससे बड़ा द्रोह कुछ और नहीं हो सकता है। संशोधन विधेयक का विरोध करने से आपकी जो मंशा सामने आई है, उसकी हम निंदा करते हैं।

इससे पूर्व खन्ना ने प्रस्ताव पेश करते हुए कहा कि विशेष सत्र की चर्चा में पक्ष व विपक्ष के 33 सदस्यों ने भाग लिया इनमें 15 महिलाएं हैं। महिलाओं के विकास व सशक्तीकरण के लिए चलाई जा रही योजनाओं का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि जन्म से लेकर विवाह तक की व्यवस्था सरकार ने की है। लड़की पैदा होने पर मिठाई बांटने के लिए भी पांच हजार रुपये देने की व्यवस्था की है। अपराध नियंत्रण के मामलों में मुख्यमंत्री ने जब कहा कि मिट्टी में मिला देंगे, तो मिट्टी में मिलाया भी।

संशोधन विधेयक पर विपक्ष द्वारा सीटों के परिसीमन का विरोध किए जाने पर उन्होंने कहा कि वर्ष 1972 में लोक सभा की सीटें 525 से 543 की गई थीं। इसके बाद वर्ष 1976 में इंदिरा गांधी ने इसे फ्रीज कर दिया। वर्ष 1972 में देश की आबादी लगभग 54 करोड़ थी जो अब 140 करोड़ हो गई है। विपक्ष संशोधन विधेयक में किंतु परंतु नहीं लगाता तो वर्ष 2029 में महिला आरक्षण संशोधन विधेयक लागू रहता, और तब लोकसभा में 825 सीटें रहतीं। उन्होंने कहा कि धर्म के नाम पर आरक्षण की व्यवस्था नहीं है, परिसीमन संविधान की व्यवस्था है।

नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडेय ने कहा कि प्रदेश में पंचायतों में जब 33 प्रतिशत आरक्षण लागू किया गया था तो भाजपा ने विरोध किया था। भाजपा ने मंडल कमीशन का भी विरोध किया था। विपक्ष के विरोध के बीच निंदा प्रस्ताव पारित होते ही शाम 5:25 बजे विधान सभा अध्यक्ष सतीश महाना ने सदन की कार्यवाही अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दी। विधानसभा की कार्यवाही 6:25 घंटे और विधान परिषद की कार्यवाही लगभग पांच

अखिलेश यादव के पीडीए के लिए मोदी-योगी ने तैयार की पीडी वाली रणनीति, पश्चिम से पूरब तक जमीन पर असर

यूपी में विधानसभा चुनाव से पहले विपक्ष की तमाम रणनीति को काउंटर करने के लिए सत्ताधारी भाजपा ने अपनी रणनीति साफ कर दी है। यूपी में जीत के हैट्रिक के लिए पीएम मोदी और सीएम मोदी मैदान में हैं।

लखनऊः (जीएनएस)। उत्तर प्रदेश में चुनावी माहौल गरमाया गया है। पश्चिम बंगाल में आखिरी चरण की वोटिंग खत्म होते ही प्रदेश में चुनावी माहौल बनता दिख रहा है। भले ही चुनाव 2027 के फरवरी मार्च में होने वाले हैं लेकिन रणनीति अभी से तैयार की जा रही है। विपक्षी दल समाजवादी पार्टी 2024 के लोकसभा चुनाव में आजमाए गए पिछड़ा दलित अल्पसंख्यक यानी पीडीए पॉलिटिक्स के जरिए चुनावी मैदान में उतरती दिख रही है। वहीं, भारतीय जनता पार्टी ने भी अपनी रणनीति साफ कर दी है। अखिलेश यादव के पीडीए पॉलिटिक्स के खिलाफ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पीडी यानी प्रोग्रेस एंड डेवलपमेंट पॉलिटिक्स के जरिए उत्तर प्रदेश की राजनीति में चुनावी जीत की हैट्रिक बनाने की तैयारी में जुटे दिख रहे हैं।

यूपी चुनाव में समाजवादी पार्टी की जातीय राजनीति को विकास की राजनीति के साथ जवाब देने की तैयारी है। इसके अलावा महिला आरक्षण के मुद्दे को भाजपा ने जोर-शोर से छेड़ दिया है। प्रोग्रेस, डेवलपमेंट के साथ वीमेन का मुद्दा गरमाया हुआ है। यही साथ ही, चुनावी माहौल गरमाने के बाद भाजपा हिंदुत्व वाली राजनीति की तरफ शिफ्ट होती दिख सकती है। बंगाल में जिस प्रकार से चुनावी मैदान में हिंदुत्व का मुद्दा गरमाया। 4 मई को विधानसभा चुनावों के रिजल्ट के बाद इस दिशा में भाजपा बड़े स्तर पर काम करती दिख सकती है।

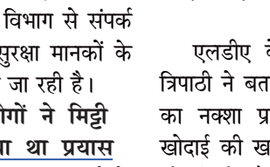

विकास वाली राह पर मोदी-योगी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और सीएम योगी आदित्यनाथ ने यूपी के राजनीतिक मैदान में पिछले एक माह में कई बार उपस्थिति दर्ज कराई है। नोएडा में सेमीकंडक्टर प्लांट के शिलान्यास समारोह से लेकर मेरठ से मेरठ मेट्रो एवं आरटीएस प्रोजेक्ट, फिर ग्रेटर नोएडा में जेवर इंटरनेशनल एयरपोर्ट और इसके बाद सहारनपुर में यूपी खंड के देहरादून-दिल्ली एक्सप्रेसवे के उद्घाटन के जरिए पश्चिमी यूपी में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और सीएम योगी आदित्यनाथ ने विकास वाली राजनीति पर विशेष जोर दिया गया।

सीएम योगी की बड़ी रणनीति

वहीं, वाराणसी में विकास परियोजनाओं के उद्घाटन और हरदोई से 1 ट्रिलियन डॉलर की इकॉनमी बनाने की बात कर चुके हैं। इस दिशा में लगातार प्रयास करते दिखे हैं। साथ ही, महिलाओं के खिलाफ अपराध के मामलों में सख्त एक्शन और बेहतर कानून व्यवस्था के जरिए विदेशी निवेशकों का ध्यान खींचा जा रहा है। ऐसे में प्रोग्रेस एंड डेवलपमेंट के जरिए भाजपा चुनावी माहौल बनाने की कोशिश करती दिख रही है। पिछले समय में जब भी चुनाव होते थे, तब समाजवादी पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव की ओर से प्रदेश की तमाम योजनाओं पर दावे किए जाते थे।

यूपी भारतीय जनता पार्टी सरकार में चलने वाली तमाम योजनाओं को समाजवादी सरकार की योजनाओं के जरिए पेश किया जाता रहा था। अब योगी आदित्यनाथ सरकार भाजपा सरकार की योजनाओं को जमीन पर उतर कर उसे मॉडल के रूप में पेश करती दिखेगी।

लगातार बदल रही रणनीति

यूपी चुनाव 2027 को लेकर तमाम राजनीतिक दलों की ओर से रणनीति तैयार की जा रही है। विकास वाली राजनीति के आधार पर वोटरों को एकजुट करने का प्रयास किया जा रहा है। हालांकि, संवेदनशील मुद्दे चुनावी रुख को मोड़ने में कामयाब होते हैं। ऐसे में माहौल बनाने और कार्यकताओं को चुनावी मोड में लाने के लिए भाजपा की ओर से महिला आरक्षण का उठाया गया मुद्दा काम करता दिख रहा है। ऐसे में विकास योजनाओं के उद्घाटन-शिलान्यास के जरिए भाजपा सरकार अपने कामों को जमीन पर दिखाने की कोशिश में जुटी दिख रही है।

यूपी में इन गाड़ियों का कभी भी कट सकता है 15 हजार रुपये का चालान, लखनऊ में ही 6 लाख से अधिक वाहनों पर खतरा

(जीएनएस)।

लखनऊ। हर तरह के वाहनों में हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट (एचएसआरपी) लगवाना अनिवार्य किया जा चुका है। शहरों से लेकर गांवों तक के लाखों वाहनों में नंबर प्लेट नहीं लग सकी है। परिवहन विभाग के अधिकारी तर्क देते हैं कि दोपहिया वाहन स्वामी इसमें रुचि नहीं दिखा रहे, ग्रामीण क्षेत्रों में न लगवाने वालों की संख्या अधिक है लेकिन, राजधानी में 6.31 लाख से अधिक वाहनों में एचएसआरपी अभी नहीं लग सकी। वजह, विभाग लोगों को एचएसआरपी का फायदे समझाने में असफल रहा है।

केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय ने 2022 में आदेश दिया कि सभी वाहनों में नंबर प्लेट लगाई जाए। एक अप्रैल 2019 के बाद पंजीकृत सभी वाहनों में यह नंबर प्लेट लगाई जा रही है, जबकि इसके पहले के वाहन स्वामियों को लगवाने का आदेश है। लखनऊ में उस समय 24 लाख 25 हजार 679 वाहन स्वामियों को यह नंबर प्लेट लगवानी थी।

चार साल बाद भी छह लाख 31 हजार 565 ऐसे वाहन हैं जिनमें यह

नंबर प्लेट नहीं लगी है। एचएसआरपी से वाहन की सुरक्षा और आसान ट्रैकिंग हो सकती है। ये प्लेट छेड़छाड़-रोधी होती हैं, क्योंकि इनमें लेजर-कोड और होलोग्राम होते हैं, जो वाहन की पहचान को सुरक्षित बनाते हैं। इतनी खूबियों के बाद भी इस नंबर प्लेट को लगवाने के लिए प्रदूषण जांच का सहारा लेना पड़ा है। । विभाग ने नेशनल इंफार्मेटिक्स सेंटर यानी एनआइसी के माध्यम से पीयूसीसी यानी प्रदूषण जांच पोर्टल में ऐसी व्यवस्था की है ताकि वाहन पोर्टल इसका प्रमाणपत्र तभी जारी करेगा, जब वाहन में एचएसआरपी लगा होगा।

पूर्व अपर परिवहन आयुक्त सड़क सुरक्षा पुष्पसेन सत्यार्थी कहते हैं कि लोगों को विशेष नंबर प्लेट के फायदे ठीक से समझाया नहीं जा सका और प्रवर्तन कार्रवाई भी अपेक्षा के अनुरूप नहीं रही। वाहनों के चोरी होने की घटनाएं हुई लेकिन, पुलिस यह सिद्ध करने में तत्पर नहीं दिखी कि वाहन की बरामदगी इसलिए हो सकी, क्योंकि उसमें एचएसआरपी लगी थी।

बिना एचएसआरपी वाले वाहनों की प्रदूषण जांच न होने से पांच हजार रुपये बिना एचएसआरपी व 10 हजार रुपये प्रदूषण जांच न होने पर कुल 15 हजार रुपये का चालान होगा। एआरटीओ प्रशासन प्रदीप कुमार सिंह ने बताया एचएसआरपी लगवाने के लिए कई बार अभियान चलाकर लोगों को प्रेरित किया गया था, अब सख्ती बरती जाएगी।

राजधानी में वाहनों का ब्योरा
कुल वाहन - 2787769
एचएसआरपी लगा - 2156204
बिना एचएसआरपी - 631565